C M Y K

आज का विचार

जिम्मेदारियां भी खूब इम्तिहान लेती है, जो निभाता है उसे को परेशान करती है...।।

अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-99 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, बुधवार 11 जून , 2025

पार्थो सरकार सचिव व सजल नन्दी बने अध्यक्ष

भारतीय टीम से एक और स्टार खिलाड़ी का कटेगा पत्ता? कोच गंभीर के सामने कठिन फैसला

पहला कॉलम

कक्षा निर्माण घोटाले में मनीष सिसोदिया को दूसरा समन भेजा गया

नईदिल्ली,10 जून (ए)। दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बार फिर पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को कक्षा निर्माण घोटाले को लेकर तलब किया है। इससे पहले, सिसोदिया से सोमवार 9 जून को एसीबी कार्यालय में पूछताछ होनी थी, लेकिन वे निजी कारणों से अधिकारियों के सामने उपस्थित नहीं हो सके। हालांकि, घोटाले में आरोपी पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को 6 जून तलब किया गया था। उनसे पूछताछ हो चुकी है। ब्यूरो ने कथित 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए जैन को 6 जून को और सिसोदिया को 9 जून को दिल्ली कार्यालय में बुलाया था। अब सिसोदिया 2 से 3 दिन में पूछताछ के लिए जा सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अभियोजन की मंजूरी दिए जाने के बाद 30 अप्रैल को एसीबी ने दोनों नेताओं के खिलाफ स्नङ्घक्र दर्ज की थी। बताया जा रहा है कि सिसोदिया इस पूछताछ में जा सकते हैं। दिल्ली की पूर्ववर्ती आप सरकार में सिसोदिया शिक्षा और वित्त विभाग संभाल रहे थे, जबकि जैन के पास स्वास्थ्य, लोक निर्माण और शहरी विकास विभाग की जिम्मेदारी थी। स्नङ्घक्र में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की मुख्य तकनीकी परीक्षक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि आप के कार्यकाल में 12,748 कक्षाओं और इमारतों के निर्माण में गंभीर वित्तीय विसंगति पाई गई है। आरोप है कि निर्माण में अत्यधिक पैसा खर्च किया गया, जबकि लागत कम थी।

कुछ अलग

गोवा के स्वास्थ्य मंत्री से सार्वजनिक माफी की मांग, डॉक्टरों ने हड़ताल की धमकी दी

पणजी,10 जून (ए)। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रुद्रेश कुट्टीकर को फटकार लगाने का मामला तूल पकड़ रहा है। गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के डॉक्टरों का कहना है कि जिस आपातकालीन विभाग में राणे ने सीएमओ को फटकार लगाई है, उसी विभाग में उनको डॉक्टर से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। डॉक्टरों ने धमकी दी है कि अगर राणे माफी नहीं मांगते हैं, तो वे सभी हड़ताल पर चले जाएंगे। शनिवार 7 जून को गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सीएमओ के डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर ड्यूटी पर थे, तभी स्वास्थ्य मंत्री राणे ने अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान एक मरीज को इलाज से मना करने पर मंत्री ने सार्वजनिक तौर पर सीएमओ को फटकार लगाते हुए बेइज्जत किया और उनको निलंबित कर दिया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर आया था।

खरी-खरी

फिर खुली पाकिस्तान की पोल, दाने-दाने को तरस रहे लोग, इस रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

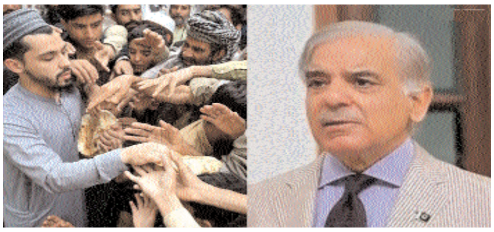

नई दिल्ली। पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है. देश में बढ़ती महंगाई और घटती अर्थव्यवस्था लगातार पाकिस्तान को कर्ज की दलदल में ढकेलता जा रहा हैं. भारत और पाकिस्तान की सच्चाई को वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट ने सामने लाकर रख दिया है. एक ओर जहां भारत आर्थिक रुप से लगातार मजबूत हो रहा है वहां, दूसरी ओर पाकिस्तान में भुखमरी और गरीबी चरम पर है.

९ साल में कुल २६.९ करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से उपर उठे

सबसे पहले चर्चा करते है उस रिपोर्ट की जिसमें यह सच्चाई सामने आई है. वर्ल्ड बैंक की पावर्टी एंड शेयर्ड प्रॉस्पेरिटी' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में २०११-१२ में कुल आबादी का २७.१ प्रतिशत गरीबी में जी रहे थे. अब साल २०२२-२३ में मात्र ५.३ प्रतिशत ही ऐसे लोग बचे है जो गरीबी रेखा से नीचे है। यानी बीते ९ साल में कुल २६.९ करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से उपर उठे है.

कर्ज लेने के बाद भी हालात नहीं सुधर रहे

इधर, पाकिस्तान की बात करें तो वर्ष २०१७-१८ में गरीबी ४.९ प्रतिशत थी जो २०२०-२१ में बढ़कर १६.५ प्रतिशत पर आ चुकी है। इस रिपोर्ट ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। पाकिस्तान में बढ़ती गरीबी, इस बात का साफ कर रही है कि दुनिया से कर्ज लेने के बाद भी देश के हालात सुधर नहीं रहे।

वर्ल्ड बैंक की परिभाषा ?

जानकारी हो कि वर्ल्ड बैंक ने गरीबी की परिभाषा बदल दी है। अब वर्ल्ड बैंक ने अति गरीबी की रेखा २.१५ डॉलर से बढ़ाकर ३ डॉलर प्रति व्यक्ति हर दिन कर दिया है। इस बदलाव के करते ही पाकिस्तान की पोल खुल चुकी है।

बेंगलुरु भगदड़: कर्नाटक सरकार ने बनाई थी कार्यक्रम की योजना, राज्यपाल को किया था आमंत्रित

बेंगलुरु,10 जून (ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विजय जलूस के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में मंगलवार को बड़ा खुलासा हुआ है।

राजभवन के सूत्रों की माने तो इस पूरे कार्यक्रम की योजना कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने ही बनाई थी और उसने इसके लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत को भी आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया था। ऐसे में राजभवन के इस खुलासे ने सरकार पर कई सवाल खड़े कर दिया है।

ने राजभवन के सूत्रों के हवाले से कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने आरसीबी के खिलाडि ?ों को सम्मानित करने के लिए राजभवन में समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इसके बाद राज्य सरकार ने उन्हें सूचित किया कि यह समारोह विधान सौध (विधानसभा और सचिवालय) में आयोजित किया जाएगा।

सूत्र ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्यपाल को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को कहा था, मुख्य सचिव ने मुझसे कार्यक्रम के लिए पूछा था और पुलिस भी इसके लिए सहमत थी। तभी मैंने हरी झंडी दी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) कोषाध्यक्ष और सचिव ने मुझे आमंत्रित किया था। यह मेरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम नहीं था। उन्होंने राज्यपाल को भी आमंत्रित किया था, इसलिए मैं इसमें शामिल हुआ। इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं थी।

अब राजभवन सूत्रों के बयान से मुख्यमंत्री का बयान गलत साबित हो रहा है।

इस घटना के बाद केएससीए ने भी खुद को मामले से अलग करते हुए आरसीबी, राज्य सरकार और कार्यक्रम के आयोजकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कुप्रबंधन का आरोप लगाया था।

केएससीए ने कहा था कि कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया था। यह चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं, बल्कि विधान सौधा में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और न ही वह गेट या भीड़ प्रबंधन में शामिल था।

इससे पहले गत 8 जून को कर्नाटक विधानसभा सुरक्षा के पुलिस के उपायुक्त एमएन करिबासवना गौड़ा की ओर से 4 जून को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव जी सत्यवती सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों को भेजा गया एक पत्र भी सामने आया था।

उसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि कार्यक्रम से लाखों प्रशंसकों के एकत्र होने की उम्मीद है। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों की कमी को देखते हुए भीड़ का प्रबंधन करना बड़ी चुनौती होगी।

इस मामले में सरकार ने सबसे पहले मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के गोविंदराज को बर्खास्त कर दिया था और सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का तबादला किया था।

इसके बाद सरकार ने पुलिस को भी जिम्मेदार मानते हुए बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद, कब्बन पार्क थानाप्रभारी एके गिरीश, सहायक पुलिस आयुक्त सी बालाकृष्णा, केंद्रीय संभाग पुलिस उपायुक्त शेखर एच टेक्कन्नावर, स्टेडियम के प्रभारी एसीपी विकास कुमार समेत 6 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

इसी मामले में पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख निखिल सोसाले को गिरफ्तार किया था। हालांकि, उन्होंने कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी को अवैध और मनमाना बताया था।

कोरोना वायरस के 324 नए मामले मिले, मरीजों की संख्या 6,815 पहुंची

नईदिल्ली,10 जून (ए)। कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। मंगलवार को पिछले 24 घंटे में 324 नए मरीज मिले हैं, जिससे सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 6,815 पहुंच गई है। हालांकि, वायरस से ठीक होने वाले मरीजों का भी आंकड़ा बढ़ा है। 24 घंटे में 783 मरीज संक्रमण से ठीक हुए हैं। अब तक कुल 7,644 मरीज ठीक हो चुके हैं। दूसरी तरफ, रोजाना मिलने वाले नए मामले भी कम हैं। सोमवार को 2 4 घंटे में 358 मरीज मिले थे।

कर्नाटक में फिर एक बार मरीज बढ ?ा शुरू हो गए हैं। यहां पिछले 24 घंटे में 136 नए मरीज मिले हैं, जिससे कुल मरीजों का आंकड़ा 559 पहुंच गया है।

भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटे में लगे भूकंप के 6 झटके

नईदिल्ली,10 जून (ए)। भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यह हल्के से मध्यम तीव्रता के बताए जा रहे हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.8 से लेकर 4.5 मापी गई है। आखिरी भूकंप मंगलवार सुबह 11:21 बजे आया, जिसकी तीव्रता 4.3 मापी गई है।

भूकंप के झटके मणिपुर के पास महसूस किए गए थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-म्यांमार सीमा भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। यहां साल में कई बार भूकंप के झटके लगते हैं।

यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव की विशेषता वाले एक जटिल टेक्टोनिक क्षेत्र में स्थित है।

बताया जाता है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सक्रिय सबडक्शन जोन और म्यांमार में प्रमुख सागाइंग फॉल्ट दोनों ही इस क्षेत्र की भूकंपीय गतिविधि में योगदान करते हैं।

इससे पहले 28 मार्च को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसमें 3,700 से ज्यादा लोग मारे गए थे। भूकंप में काफी नुकसान हुआ था।

उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से बरसेगी आग, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली,10 जून (ए)। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में आने वाले चार से पांच दिनों के दौरान हीटवेव को लेकर अलर्ट किया है. जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है.

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक,केरल, तमिल नाडु, तेलंगाना, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है. इसके चलते 12 से लेकर 15 जून के बीच कर्नाटक में भीषण बारिश के आसार हैं. कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर 13 से 15 जून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है.

पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति के साथ कई स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. जम्मू- कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. मराठवाड़ा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई. मिजोरम, गोवा, तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई.

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, मराठवाड़ा, जम्मू-कश्मीर, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बारिश के साथ तेज हवा चली. केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप में अगले दो से तीन दिनों के दौरान अधिकांश जगहों पर हल्की बारिश होने का अनुमान है. तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, रायलसीमा में आज से अगले तीन दिनों के दौरान कई जगहों पर सामान्य बारिश के होने की उम्मीद है. इसी के साथ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आज से 12 जून के दौरान विभिन्न स्थानों पर बारिश के साथ आंधी की संभावना है.

मराठवाड़ा में छिटपुट स्थानों पर आज से अगले दो तीन दिनों के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना. मध्य महाराष्ट्र में आज से 14 जून के दौरान बारिश के साथ वज्रपात की संभावना है.

'पति का करीब आना पसंद नहीं... शादी के बाद सोमन रघुवंशी ने प्रेमी को किया था मैसेज

- सोनम ने प्रेमी राज को किया हत्याकांड के लिए तैयार
- साजिश के तहत ही शिलांग जैसी जगह को चुना
- पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है

शिलांग । राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर पल नए खुलासे हो रहे हैं। ताजा खबर यह है कि शादी के बाद सोनम रघुवंशी को पति के साथ रहना भी पसंद नहीं था। सोनम ने मैसेज कर कथित प्रेमी राज कुशवाह को बताया था कि उसे पति के साथ शारीरिक संबंध बनाना पसंद नहीं है।

इसके बाद ही सोनम ने राजा की हत्या की साजिश रची थी। इसमें प्रेमी राज को शामिल किया, जिसने अपने तीन दोस्तों की मदद से हत्याकांड को अंजाम दिया। अभी सभी शिलांग पुलिस की गिरफ्त में हैं, जिनसे जल्द पूछताछ की जाएगी।

शादी के तीन दिन बाद ही बना लिया था हत्याकांड का प्लान

सोनम ने शादी के तीन दिन बाद ही पति की हत्या का प्लान बना लिया था। शादी के बाद सोनम लगातार प्रेमी के संपर्क में रही। उसे बताया कि किस तरह वह विधवा होने के बाद राज से शादी रचा लेगी।

साजिश के तहत ही सोनम हनीमून मनाने मेघालय के दूरदराज के इलाके में गई। वहां प्रेमी और उसके दोस्तों को बुला लिया। लगातार लोकेशन शेयर करती रही और आखिरकार मौत के घाट उतार दिया।

१७ दिन बाद सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह हाईवे के एक ढाबे पर पहुंची और अपने परिवार से संपर्क किया। इससे पहले शिलांग पुलिस अन्य आरोपियों को दबोच चुकी थी।

चाकू से मिला पहला क्लू, तभी आरोपियों तक पहुंची पुलिस

हत्याकांड की साजिश इस तरह से रची गई थी कि मेघालय से लेकर मध्य प्रदेश तक की पुलिस को समझ नहीं आ रहा था। मामले में शिलांग पुलिस को किसी बाहरी के शामिल होने का शक तब मिला, जब हत्या में शामिल चाकू मिला।

शिलांग पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह का चाकू स्थानीय स्तर पर नहीं मिलता है और यूज भी नहीं किया जाता है। इसके बाद पुलिस ने राजा और सोनम की कॉल डिटेल खंगाली। सोनम अपने प्रेमी राज से लगातार संपर्क में थी।

इसके बाद पुलिस कड़ियां जोड़ती गई और आरोपियों को धर दबोचा। जब आरोपी पकड़ा गए तो सोनम भी टूट गई और गाजीपुर में ढाबे पर पहुंच कर सरेंडर कर दिया।

फ्रांस में नौकरी मिलना न तो नामुमकिन है और न ही आसान

पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड जैसे ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हू क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

दिल्ली के अनुविंद ने फ्रांस की एक फैशन कंपनी में नौकरी प्राप्त करके अपने सपनो को साकार किया है। उनके मुताबिक टाइम मैनेजमेंट न केवल आपको छोटे समय में फायदा पहुंचाता है बल्कि आपको इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। फ्रांस में आकर मैंने जाना कि इंसान को उसी चीज से पहचाना जाता है जो उसने सीखी होती है। पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

बिजनेस स्कूल को चुनना

मुझे मार्केटिंग का जुनून था क्योंकि इसमे लोगो से मिलना, इनोवेशन और क्रिएटिविटी शामिल थी। ग्रेजुएशन के दौरान मार्केटिंग मेरा फेवरेट था। संभावित ग्राहक की इच्छा और जरूरतो को समझना, सुपरमार्केट में किसी प्रोडक्ट की प्लेसमेंट और मार्केटिंग रणनीति चलाने के लिए डेटा को समझना आदि मुझे हर चीज में स्पेशलाइज करना था। इन सबके ऊपर पिछले कुछ सालों में मुझे फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री से लगाव हो गया है। भारत, चीन, तुर्की, रूस और मैक्सिकों में उभरती मार्केट्स के साथ यह वो इंडस्ट्री है जो मंदी के दौरान भी अच्छी गति से बढ़ रही थी। मुझे मार्केटिंग में ऐसी डिग्री प्राप्त करनी थी जिसका फोकस फैशन पर हो। गूगल पर सर्च करने क दौरान मुझे पता कि ऐसे केवल कुछ ही संस्थान हैं और इसमें से कुछ बेस्ट बिजनेस स्कूल फ्रांस में हैं। इसके बाद मैने बिना देर किए जीमैट की तैयारी की और अपने ऐडमिशन के लिए मेहनत करने लगा। अचानक एक दिन सुबह मुझे संस्थान से ईमेल मिला कि मेरा चयन हो गया है।

जिंदगी बदलने वाला अनुभव

शुरुआती हफ्ते में मुझे काफी अजीब और उत्साहवर्धक लगा। अजीब इसलिए लगा क्योंकि यह मेरे लिए एकदम नई शुरुआत थी 30 से ज्यादा देशों के छात्र मेरी क्लास में थे। उत्साहवर्धक इसलिए लगा क्योंकि यहा सीखने के लिए काफी कुछ था।

करियर और उसके बाद

मैं हमेशा से ही फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री में काम करना चाहता था और इस स्ट्रीम में मैने श्वष्ठ ॥श्वष्ट से स्पेशलाइजेशन किया था। फ्रांस में नौकरी मिलना ना तो नामुमकिन है और न ही आसान। मुझे काफी फायदा हुआ। फ्रांस के टॉप संस्थान से ग्रेजुएशन करना अपने आप में गर्व की बात थी। पढ़ाई के दौरान मुझे कई जगह इंटर्नशिप करने का मौका मिला। मैने इंटर्नशिप की जो एक बड़ी फैशन और कॉस्मैटिक कंपनी है। फ्रांस ने केवल पेशवर तरीके से मेरी मदद की बल्कि मुझे किराए पर कमरा दिलाने और पेपरवर्क में आसानी के लिए फ्रेंच भी सिखाई। मैं पेरिस में रहने से अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं। यह दुनिया की फैशन कैपिटल है।

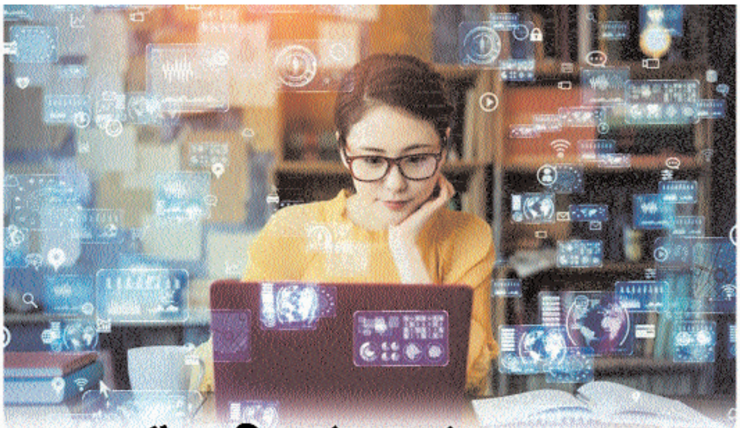

साइंस और गणित के छात्रों की तरह ह्यूमैनिटीज में भी हैं कई करियर विकल्प

ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास बहुत सारे करियर ऑप्शन हैं। अगर आप भी ह्यूमेनिटीज के छात्र हैं और अपने लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी मदद करेगा। इस आर्टिकल में हमने कई सारे टॉप करियर ऑप्शन के बारे में बताया है।

ह्यूमेनिटीज क्षेत्र के छात्रों के पास भी साइंस और गणित के छात्रों की तरह कई करियर विकल्प होते हैं, जिनमें उन्हें अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार चुनने का विकल्प होता है। ये छात्र शिक्षा, जर्नलिज्म आदि में अपना करियर बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें उनकी सामाजिक समझ, कम्युनिकेशन स्किल, और क्रिएटरनेस का उपयोग करना पड़ता है। आइए जानते हैं इन जॉब्स के बारे में।

जर्नलिज्म

जर्नलिज्म को देश का चौथा पिलर माना जाता है। डिजिटलीकरण के बाद से इसमें पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। अगर आपकी जर्नलिज्म में रूचि है तो आप इस क्षेत्र में जरुर जाएं। आप न्यूज़ रिपोर्टर, फीचर राइटर, एडिटर, मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट, संवाददाता या न्यूज एंकर बनकर अपने करियर मे आगे बद सकते हैं।

लॉ

लॉ बहुत ही प्रेस्टीजियस फील्ड मे से एक है। आप एलएलबी करने के बाद विभिन्न फर्म, कंपनियों और गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन में लीगल कंसल्टेंट बन सकते हैं। अपनी स्पेशलाइजेशन के साथ आप लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं और क्लाइंट को विभिन्न समस्याओं पर सलाह दे सकते हैं। आप वकील के रूप में कोर्ट मे भी वकालत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी परीक्षा की तयारी करके जज बनना भी एक बहुत अच्छा विकल्प है ।

टीचिंग

टीचिंग की जॉब एक बहुत ही अच्छी जॉब होने के साथ-साथ बहुत सम्माननीय जॉब भी होती है। यह एक चुनौतीपूर्ण करियर भी है, जिसमें आपको एजुकेशन के क्षेत्र मे अपना जीवन समर्पित करना पड़ता है। भारत में योग्य शिक्षकों की मांग सभी स्तरों पर बहुत ज्यादा है। अगर आपकी रुचि भी शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्र में है तो आप एक टीचर बनकर बच्चे जो देश का भविष्य होते हैं उन्हें सही मार्ग दिखाकर देश की प्रगति में सहयोग कर सकते हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

ह्यूमन रिसोर्स एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लोगों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और संगठन की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए योगदान देना चाहते हैं। इसमें आप लोगों के मैनेजमेंट, विकास, और कार्यसंगठन से संबोंधित काम करते हैं।

मास कम्युनिकेशन

मास कम्युनिकेशन विभिन्न माध्यमों के माध्यम से संचार की प्रक्रिया को समझाने और समाचार, सूचना, और विचारों को साझा करने में मदद करता है। आप रेडियो जॉकी, विज्ञापन और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, फिल्म और टेलीविजन निर्माता या डायरेक्टर बनकर इस फील्ड में काम कर सकते हैं।

एडवरटाइजिंग

अपने किसी भी नए प्रोडक्ट को मार्केट में लाना हो या पुराने के बारे में भी कोई जानकारी देनी हो तो एडवरटाइजिंग सबसे बेस्ट तरीका होता है। इसीलिए इस फील्ड में बहुत स्कोप है। इसमे आपके प्रभावी ढंग से लिखने और बोलने की क्षमता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है। आप एडवरटाइजिंग मैनेजर बनकर अभियानों के लिए योजनाओं का फ्रेमवर्क तैयार करने का काम करते हैं।

राइटिंग और एडिटिंग

राइटिंग कोई नया फील्ड नही है जिसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी देने की जरूरत है लेकिन यह फील्ड इतना बड़ा है कि इसमें ना तो कभी जॉब्स की कमी होती है और ना ही कभी इंसान बोर हो सकता है अगर आपको लिखने में रुचि है तो आप कॉपीराइटर और कंटेंट राइटर बनकर कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, वेबसाइटों, ब्लॉगों, या ई-कॉमर्स साइटों के लिए कंटेंट लिख सकते हैं। आप प्रेस एजेंट और पब्लिक रिलेशन्स राइटर के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप प्रोफेशनल लेखक बनकर किताब, आर्टिकल और मैगजीन लिखने का काम कर सकते हैं।

पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन - ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास अवसर अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होती हैं। जिससे उनके लिए पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन या मार्केटिंग में करियर बनाना आसान हो जाता है। आप विज्ञापन एजेंसियों, पब्लिक रिलेशन फर्मों या कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभागों जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

एमसीए करने के 5 बड़े फायदे

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह डिग्री आपको कंप्यूटर एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कई तरह की प्रोग्रामिंग भाषाओं की गहन समझ हासिल करने में मदद करती है। साथ ही साथ सैद्धांतिक और प्रैक्टिकल स्किल भी प्रदान करती है। ऐसे में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) करना एक शानदार फैसला साबित हो सकता है।

एडवांस्ड नॉलेज

एमसीए कार्यक्रम में स्पेशल कम्प्युटर साइंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शामिल हैं। आप डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म से लेकर नेटवर्क सिक्योरिटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक नवीनतम तकनीकों में गहन ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल करेंगे। यह विशेष ज्ञान न सिर्फ आपकी तकनीकी क्षमताओं को निखारता है बल्कि आपको कठिन रोजगार बाजार मे एक मूल्यवान उम्मीदवार बनाता है।

करियर ग्रोथ

आज के डिजिटल युग में कंपनियो मे योग्य आईटी कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एमसीए की डिग्री आपको आकर्षक नौकरी के अवसरो का लाभ उठाने और तेजी से कैरियर में ग्रोथ करने में सक्षम बनाती है। चाहे आपका सपना प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, कंप्यूटर विश्लेषक या फिर प्रोग्राम आर्किटेक्ट या आईटी सलाहकार ही बनना हो। इन सबके अलावा एमसीए आपको करियर के कई अन्य मौके भी देता है।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री

एमसीए की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो छात्रो को देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर तलाशने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। चाहे आपके कैरियर के लक्ष्य सरकारी संगठनों, तकनीक-आधारित स्टार्टअप्स ही क्यों न हों।

इंडस्ट्री के अनुसार

एमसीए को इंडस्ट्री को ध्यान में रखकर बनाया गया है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल रखने के लिए छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे सूचना सुरक्षा, ऑनलाइन कंप्यूटिंग, मशीन के एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में जानने का मौका मिलता है। आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में एमसीए की डिग्री रखने से काफी फायदा होता है क्योंकि कंपनियां आधुनिक कौशल और दक्षता को बहुत महत्व देती हैं।

नेटवर्किंग के अवसर

एमसीए करने से आपको शिक्षकों, अन्य छात्रों और उद्योग विशेषज्ञो के साथ संबंध बनाने के कई मौके मिलते हैं। बिजनेस वर्कशॉप, इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर्स, पूर्व छात्र सम्मेलन या अन्य माध्यमों से छात्रों को ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है जो उन्हें महत्वपूर्ण सलाह, करियर संबंधी सुझाव और मार्गदर्शन दे सकते हैं। एक मजबूत प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करना न केवल आपको अच्छी नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में दिलचस्प करियर के द्वार भी खोलता है।

साउंड इंजीनियरिंग के टॉप करियर ऑप्शन

साउंड इंजीनियरिंग एक ऐसी स्ट्रीम है जिसमें आर्ट और साइंस एक साथ आते हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न मीडिया जैसे कि वीडियो गेम, संगीत, फिल्में, टेलीविजन और रेडियो में उपयोग करने के लिए ऑडियो को बनाना, मिक्स करना, रिकॉर्डिंग और एडिटिंग का मुश्किल प्रोसेस शामिल है।

किसी विशेष कार्य के लिए बेस्ट ऑडियो गुणवत्ता की गारंटी देना ही साउंड इंजीनियरिंग है। इसके डायवर्स क्षेत्र को तकनीकी विशेषज्ञता और आर्टिस्टिक सेंसटिविटी दोनों में स्ट्रॉग बेस की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों को साउंड फिजिक्स में काबिल होना चाहिए, विभिन्न प्रकार के ऑडियो उपकरणों में निपुण होना चाहिए और ऑडियो क्रिएशन की आर्ट में कुशल होना चाहिए। एक साउंड मिक्सिंग इंजीनियर वह व्यक्ति होता है जो ऑडियो की आर्ट और साइंस को जानता है। यह व्यक्ति ऑडियो एलेमेंट्स को मिक्स और बैलेंस करता है। इस आर्टिकल में साउंड इंजीनियरिंग की दुनिया, योग्यताओं, करियर विकल्पो के बारे में बताया गया है।

म्यूजिक प्रोडक्शन

संगीत रिकॉर्ड करने और बनाने के लिए, रिकॉर्डिंग स्टूडियो में साउंड इंजीनियर संगीतकारों के साथ काम करते हैं। वे सावधानीपूर्वक अलग-अलग लेवेल्स को मिक्स करते हैं और ट्रैक बनाते हैं, जिससे संगीत रचनाओं की साउंड टेपेस्ट्री बनती है।

लाइव साउंड

इस डोमेन के विशेषज्ञ एथलेटिक इवेंट, थिएटर शो और संगीत कार्यक्रम जैसे लाइव इवेंट के दौरान ऑडियो को सँभालते हैं। इसका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि दर्शकों को एररलेस ऑडियो अनुभव मिले।

फिल्म और टेलीविजन

विजुअल मीडिया के दायरे में, साउंड इंजीनियर फिल्मों, टीवी सीरीज और विज्ञापनों के लिए ऑडियो रिकॉर्ड करने और एडिट करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उनकी विशेषज्ञता डायलॉग और साउंड इफैक्ट्स में जान डाल देती है।

गेमिंग इंडस्ट्री

साउंड इंजीनियर डीप और कंपलेक्स साउंड लैंडस्केप को और प्रभावी बनाकर गेमिंग डोमेन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे आपको रियल गेमिंग अनुभव मिलता है।

रेडियो और प्रसारण

रेडियो स्टेशन और प्रसारण स्टूडियो, ऑडियो की हाइएस्ट क्वालिटी बनाए रखने के लिए साउंड इंजीनियरो पर बड़े पैमाने पर निर्भर करते हैं। ये प्रोफेशनल सुनिश्चित करते हैं कि रेडियो प्रसारण और अन्य ऑडियो सामग्री लगातार कड़े मानकों को पूरा करें।

पोस्ट-प्रोडक्शन

पोस्ट-प्रोडक्शन में विशेषज्ञता रखने वाले साउंड इंजीनियर इनिशियल रिकॉर्डिंग फेज के बाद परियोजनाओं पर काम शुरू करते हैं, विशिष्ट परियोजना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक ऑडियो रीसर्च और एडिटिंग करते हैं।

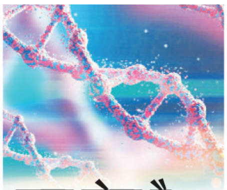

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती हैं। क्या आप इसके बारें में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते हैं। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती हैं बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

उरई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। यहां का समाज सदियों से चले आ रहे हैं रीती-रिवाजों का प्लान करता है। इसके अलावा यहां कई अजीबों-गरीब मान्यताओं का भी खूब चलन है, जिनके बारे में जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 में कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार में ऊपर चढने के लिये सात गोल फेरों से होकर जाना पड़ता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते हैं तो उन्हें पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नही है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर में रावण के पूरे परिवार के लोगों की मूर्तियां स्थापित हैं। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड में जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 में, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप में ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहां पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ में मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने के लिए सात गोल चक्कर हैं जिन्हें शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका में चढ़ जाते हैं तो उन्हें पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहां मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नहीं जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओं को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनों का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह लें, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इसका पालन सालों से किया जा रहा है।

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते हैं कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चूने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लंबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें सात घुमावदार मोड़ हैं। वहीं लंका मीनार परिसर में रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दीं. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान में सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहां बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहां आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहां, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहां उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है।

अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियों के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहां उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहां किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी में उसे एक होटल के कमरे में बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

अम्बिकावाणी
रायपुर, बुधवार 11 जून, 2025

सम्पादकीय

परमात्मा में दृढ़ विश्वास का अर्थ है- निर्भयता।
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

पीओके वापस लौटेगा

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोगों को भारतीय परिवार का हिस्सा बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिन दूर नहीं जब वे खुद भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ के बिजनेस समिट में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि हमारा मानना है कि हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस लौटेगा और कहेगा, मैं भारत हूं, वापस आ गया हूं।

सिंह ने कहा कि वहां रहने वाले हमारे इन भाइयों की हालत कुछ ऐसी है, जैसे महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह की थी। जैसा कि महाराणा प्रताप शक्ति के अलग हो जाने पर कहते थे-तब कुपथ को छोड़, सुपथ पर स्वयं चला आएगा, मेरा ही भाई है मुझ से दूर कहां जाएगा।

लेकिन महाराणा के भाई की याद करते हुए भूलना नहीं होगा कि रावण का भाई विभीषण ही उसके अंत का कारण बना था। पाकिस्तान पर सैन्य हमले, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बेहतरीन प्रदर्शन और पहली दफा दुश्मन मुल्क में घुस कर आतंकवादी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई से तय रूप से भारत के हौंसलों को बल मिला है। पाकिस्तान के आंतरिक हालात, राजनीतिक अस्थिरता, मंहगाई और बेरोजगारी से अवाम त्रस्त है। पीओके के उत्तरी इलाकों गिलगित, बाल्टिस्तान, डायमिर, गीजर और घांचे में तकरीबन पंद्रह लाख आबादी है। भारत विभाजन के बाद ही पाक ने जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर हमला कर दिया था। तब से यह इलाका विवादों से घिरा है पर कश्मीर के तकरीबन 35त्न हिस्से पर पाक का कब्जा है परंतु भारत इसे अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। यहां की आबादी मुख्यतया मुसलमानों की है, चुनिंदा ईसाई रहते हैं।

उनके स्वयं भारत आने का इस तरह की काल्पनिक बातें करने से पहले केंद्रीय मंत्री को देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों के प्रति सहिष्णुता दिखानी सीखना होगा। भाजपा के कार्यकाल में हो रहे सांप्रदायिक पक्षपात की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत-पाक के बीच संघर्ष व युद्ध विराम को दोनों मुल्कों की सरकारें जुबानी वाद-विवाद तथा आरोप-प्रत्यारोप द्वारा अपने-अपने देशवासियों को प्रभावित करने में भरसक जुटी दिख रही हैं। यह कोई बर्लिन की दीवार नहीं है, जो विभाजन को नेस्तनाबूद करने के लिए झटके से गिरा दी जाए।

मोदी का 11वां साल: भारत के बदलाव में एक बड़ी उपलब्धि

हरदीप एस पुरी

लोकतंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे वंचितों और अल्पवंचितों तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में उच्च मानकों पर खरे उतरें। भारत में यह कसौटी और भी कठोर है। कोई भी नारा बिना उद्देश्य के और कोई भी दावा बिना परिणाम के नहीं टिकता। वास्तविक बदलाव का फायदा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में, अंत्योदय (समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान) के लिए वोट किया जाता है।

यही कारण है कि मोदी 3.0 के एक वर्ष में, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में मिले शानदार जनादेश केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज के भारत में, बयानबाजी नहीं, बल्कि काम करके भरोसा जीता जाता है। 'अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय' के दर्शन पर आधारित कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि देश के विकास में कोई भी भारतीय पीछे न छूट जाए। 25 करोड़ से अधिक लोगों को कई तरह की गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को ?3.68 लाख करोड़ से अधिक वितरित किए गए हैं। 'लखपति दीदी' पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को सालाना ?1 लाख से अधिक आय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है। जल जीवन मिशन के तहत, 15.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें व्यापक स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा, इस योजना का विस्तार करके अग्रिम पंक्ति के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को भी इसमें शामिल किया गया। ये चौंका देने वाले आंकड़े केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीय घरों में बदलाव की कहानियां हैं। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से संबंधित प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पहलगाम हमले के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में स्पष्ट थी, जहां आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था। देश ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया, लेकिन एकजुट होकर ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और दबदबे के साथ अंजाम दिया, जिससे उसके आतंकवाद से लड ? और अपने नागरिकों की रक्षा करने के संकल्प की पुष्टि हुई। दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व द्वारा समर्थित भारतीय रक्षा बलों की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता देखी है। दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति आत्मनिर्भरता के लिए रणनीतिक निवेश से मेल खाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की व्यापक सटीकता, आंशिक रूप से कई वर्षों तक स्वदेशी रक्षा क्षमता पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण सक्षम हुई। 2014 के बाद, भारत के रक्षा विनिर्माण का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है, निर्यात में भारी बढ़ोतरी हुई है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ है। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत, रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी), रक्षा उत्पादन और निर्यात प्रोत्साहन नीति (डीपीईपीपी) जैसे प्रमुख सुधार और कुछ क्षेत्रों के लिए 100त्न एफडीआई खोलने से घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद मिली है। ड्रोन और उसके कलपुर्जो के लिए दो विशेष पीएलआई योजनाओं की शुरूआत से अगली पीढ़ी के नवाचार को और भी बढ़ावा मिला है। आज, भारत द्वारा डिजाइन की गई मिसाइल प्रणाली, बख्तरबंद वाहन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म न केवल हमारी सेनाओं में तैनात हैं, बल्कि 80 से अधिक देशों को निर्यात किए गए हैं। इससे ऐसे समय में क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई है, जब विश्वसनीय रक्षा भागीदारों पर वैश्विक भरोसा बहुत अधिक है। विनिर्माण इसी नजरिये के केंद्र में है। भारत बड़े निवेश और सरकारी प्रोत्साहनों के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में ?27,000 करोड़ के निवेश से सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बना रहा है, जिसके 2025 के मध्य तक परिचालन में आने और लगभग 27,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इस बीच, एचसीएल और फॉक्सकॉन का ?3,706 करोड़ का संयुक्त उद्यम उत्तर प्रदेश के जेवर में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए तैयार है, जो डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स पर ध्यान केंद्रित करेगी और इसका उत्पादन 2027 में शुरू होगा।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1.57 लाख से ज्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इनमें 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न और 3,600 से ज्यादा डीप-टेक वेंचर शामिल हैं जो एआई, बायोटेक और सेमीकंडक्टर पर केंद्रित हैं। अकेले हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र में 200 से ज्यादा स्टार्टअप सामने आए हैं, जो एक भरोसेमंद इनोवेशन अर्थव्यवस्था के उदय का संकेत है। स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पहले ही 17.2 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं और समस्या-समाधानकताओं (प्रॉब्लम सॉल्वर्स) एवं उद्यमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। इस बीच, भारत धीरे-धीरे दुनिया के सबसे जुड़े हुए लोकतंत्र के रूप में उभरा है। 80 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स और 136 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान कार्यक्रम बन गया है। अब हमारी वैश्विक डिजिटल पेमेंट में 46त्न हिस्सेदारी हो गई है, जो यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसने वित्तीय लेन-देन को सभी के लिए आसान बना दिया है। इन प्रणालियों ने न केवल नागरिकों को सशक्त बनाया है बल्कि शासन को और भी स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाया है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में हमारी सरकार की निर्णय लेने की क्षमता साफ नजर आती है। कुल व्यय ?44.6 लाख करोड़ निर्धारित किया गया, जिसमें पूंजीगत व्यय को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाकर ?10 लाख करोड़ किया गया। कर छूट को बढ़ाया गया, मध्यम वर्ग के लिए रिबेट दोगुनी कर दी गई और लंबे समय से स्टार्टअप के लिए चिंता का विषय रहे एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया। इन सुधारों से उपभोग में बढ़ोतरी होती है, उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है और भारत के दीर्घकालिक विकास पथ को मजबूती मिलती है।

मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने पर, बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। सड़कें, कारखाने और सौर पैनल सिर्फ प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि वे आकांक्षाओं की नींव हैं।

आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत राष्ट्रीय स्तर पर नवीनीकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। जनादेश भी स्पष्ट है। विजन बरकरार है। और, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, निर्णायक दशक अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इतिहास इस वक्त को सिर्फ तेज विकास के चरण के रूप में ही नहीं, बल्कि उस क्षण के रूप में दर्ज करेगा, जब भारत ने विश्वास किया, बदलाव किया और नेतृत्व किया है।

अटल पेंशन योजना- सभी को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

चित्रा जयसिम्हा

वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है।

यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरूआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है।

एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी।

इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया मॉडल बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने झ के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारतझ के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है।

नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर चार प्रमुख जातियों के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है। 31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासझ के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी। अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है।

सब तो एक-दूसरे से छिटके हुए!

इन दिनों बेंगलुरू में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक हो रही है। आरएसएस के सौ साल होने के समय की इस बैठक के 1,480 प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के दिल-दिमाग का यदि मैं अनुमान लगाऊं तो सवाल होगा कि क्या नरेंद्र मोदी से इन सबका वह लगाव है, जो 2013-14 में उन्हें भाजपा का नेता तय करते वक्त था? यह गहरा-गंभीर सवाल है। मैं इसके खुलासे में नहीं जाऊंगा। इतना भर नोट करें कि परस्पर संवाद में भी एलर्जी है। अहंकार और परस्पर नफरत की वे बाते हैं, जो दिखावे की मुलाकातों तथा सत्ता के लालच से छुपी हुई हैं। असलियत परस्पर अविश्वास, भय और वह लालच है जो देश की राजनीति में सर्वत्र है। सभी समय के प्रवाह में बहते हुए हैं और सत्य से मुंह चुराते हुए। ऐसा अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नहीं था। वाजपेयी और संघ के सुर्दशन में तब वैचारिक मतभेद बना था लेकिन मनमुटाव नहीं था। अहंकार और ईगो का संकट नहीं था। आडवाणी, पार्टी अध्यक्ष, मंत्रियों आदि सभी के जरिए संघ आलाकमान का वाजपेयी से संवाद था तो परस्पर विचार-विमर्श भी था। फिलहाल सबका मालिक एक, और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो यदि मिल लिए, यदि उन्होंने दर्शन दे दिए तो बड़ी कृपा! इसलिए जो कुर्सी पर है वही परम पूजनीय है और बाकी सब घसियारे हैं। मेहरबानियों पर जिंदा हैं। तभी संघ के प्रतिनिधियों के लिए, सौ वर्ष के मुकाम पर गौरव की बात इतनी भर है कि उनके सपनों का हिंदू राष्ट्र है, जिसमें औरंगजेब जिंदा है!

इस प्रतीकात्मक बात को धर्म, जाति, क्षेत्र, समाज, राजनीति, आर्थिकी सभी पर लागू कर सकते हैं। क्या अडानी और अंबानी के मन मिले हुए हैं? क्या उद्योगपतियों में परस्पर मन से सद्भाव है? क्या अफसरों की जमात पक्षपातों से पैदा खुन्नस नफरत नहीं बनाए हुए है? आखिर हर लेवल पर तो कायदे व नियम को ताक में रख निर्णय हो रहे है। अहम पदों पर नियुक्ति, प्रमोशन और रिटायर होने के बाद बंदरबांट के हर मामले में। ऐसे ही पक्ष-विपक्ष के रिश्तों में आज जैसी दुश्मनी व नफरत है क्या आजाद इतिहास में पहले कभी रही?

दक्षिण के पांच राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश का देश की आर्थिकी में तीस प्रतिशत हिस्सा है लेकिन इनके मानस में दिल्ली की सत्ता, उत्तर भारत को लेकर मन ही मन वह नफरत है कि लोगों से बच्चे ज्यादा पैदा करने का आह्वान कर रहे हैं! सोचें, क्या एक्स्ट्रिम है। भक्त हिंदुओं में मुसलमान से ज्यादा बच्चे पैदा करने की हवाबाजी तो समझ आती है लेकिन उत्तर भारत की संख्या के मुकाबले दक्षिण में संख्या बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्रियों का कहना क्या बताता है?

जाहिर है भय, हताशा और उसके परिणाम में नफरत के लक्षण चारों तरफ हैं।

0 हरिशंकर व्यास

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1350

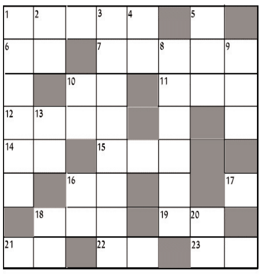

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरू है, यह एक मंगोलियाई पदवी है, जिसमका मतलब होता है ज्ञान का महासागर (5)
6. बराबर, विभाज्य (2)
7. विम्बलडन नाम इस खेल से जुड़ा है (5)
10. द्वार यंत्र, लॉक (2)
11. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
12. सिंह या शेर को यह भी कहते है (4)
14. पेरिस शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह नदी इंगलिश चैनल मे जाकर गिरती है (2)
15. क्रम में प्रथम, आदिम (3)
16. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
17. जननी, मां, मातृ, पैदा करने वाली स्त्री (1)
18. पश्चिमी अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
19. अध्ययन (अंग्रेजी)(2)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का यह नाम था (2)
22. पुराणानुसार एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. धमनी, स्पंद, रग (2)

ऊपर से नीचे

1. दस दिन का आयोजन या कार्यक्रम (6)
2. अलक, जुल्फ (2)
3. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की (8)
4. इज्जत, प्रतिष्ठा, आबरू, मापदंड (2)
5. पवन, वायु, हवा (3)
8. तकनीकी संबंधी जानकारी रखने वाला (6)
9. वायु, पवन, बयार (3)
10. बृहस्पति की पत्नी का नाम (2)
13. महिला ईसाई पादरी (2)
16. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
18. ऐक्सिस, कीलक, धुरी, मेरू (2)
20. किसी महाविद्यालय का प्रमुख (2)

वर्ग पहेली 1349 का हल

ग्री	स		फि	रो	जा	बा	द
वा	र	दा	त		न	ग	र
	प	ह	र		की		मा
ह	र	क	त		खै	र	
द	स्त			सू	र	ज	
क		जू	न		म	क	र
र	ख	ना		पा	ना		क्षि
ना	त			क	ना	ग	त

एकदा

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संसद को कोई भी कानून बनाने से पहले यह कर लेना चाहिए कि वह संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार का हनन तो नहीं कर रही है यद्यपि संसद बहुमत से कोई कानून बना सकती है या उसमें आंशिक तौर या पूर्ण परिवर्तन कर सकती है लेकिन अगर यह विषय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचार के लिए लाया जाएगा और मामला यह सिद्ध होगा कि किसी धर्म या व्यक्ति या व्यक्तियों के मौलिक अधिकार का हनन होता है तो उस राष्ट्रपति के आदेश की विवेचना का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को भारत का संविधान अनुच्छेद 51 में देता है और सर्वोच्च न्यायालय उस कानून का समाप्त कर सकता है। यह खतरनाक हथियार अनुच्छेद 141के तहत भारत संघ में है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने भी इसे 143 धारा को न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में घमासान का कारक बताया है और कहा है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले जले नोटो के संबंध में प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का क्या कारण है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक (ङ्खरूढ्ढष्ठ) एकीकृत वक्फ प्रबन्धन शसक्तीकरण दक्षता विकास बिल या कानूनों के दो प्रावधानों को लेकर भारत की न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में ठन गई है और मोर्चा संभाला है चीफ जस्टिस खन्ना और उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

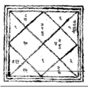

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यावसायिक कार्य योजना में बदलाव करना जरूरी है। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा, फिलहाल आपकी इनकम पहले जैसी ही रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा, इसलिए आलस और सुस्ती त्याग करना पड़ेगा। आज अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक सुदृढ़ करें क्योंकि यह आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं। कोई नई जानकारी भी हासिल होगी। बच्चे पढ़ाई में फोकस रहेंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवार का कोई संपत्ति संबंधित विवाद सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखेंगे। आज खर्चो की अधिकता की वजह से मन कुछ परेशान रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। आज दिन भर दौड़-धूप और मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज इस बात का भी ध्यान रखें कि भावनाओं में आकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज न करें।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता-पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के साथ मनोरंजन ऑनलाइन शॉपिंग जैसी गतिविधियों में सुखद बीतेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। दिन भर भागा- दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। अगर प्रॉपर्टी से संबंधित कोई मुद्दा चल रहा है तो आज उसके परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। इस राशि के लोग अपने भविष्य को लेकर गंभीर रहेंगे,

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे।

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा। आज रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा, जिससे तन और मन दोनों प्रफुल्लित रहेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कुछ ना कुछ चुनौतियां भी रह सकती हैं।

न्यूयॉर्क में है दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन न्यूयॉर्क का ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल है। यह रेलवे स्टेशन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित है। इस स्टेशन की नींव 1913 में रखी गई थी। यहां से हर दिन 660 ट्रेनें गुजरती हैं। इसमें दो अंडरग्राउंड फ्लोर हैं। पहले फ्लोर पर 41 ट्रैक हैं और दूसरे पर 26 हैं। वहीं यहां कुल 44 प्लेटफॉर्म बने हैं। यह स्टेशन 48 एकड़ में फैला हुआ है। इस स्टेशन पर रोजाना औसतन 660 मेट्रो नॉर्थ ट्रेन्स गुजरती हैं और 1,25,000 यात्री सफर करते हैं। दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन में एक सीक्रेट प्लेटफॉर्म भी है। ऐसा माना जाता है कि इस प्लेटफॉर्म का उपयोग राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूजवेल्ट द्वारा होटल से निकलने के लिए किया जाता था। इस सीक्रेट प्लेटफॉर्म का उपयोग कभी भी रेगुलर सर्विस के लिए नहीं किया गया। ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल के मुख्य लॉबी में 10 झूमर सोने से सजे हैं और प्रत्येक में 110 बल्ब लगे हैं। ग्रांड सेंट्रल टर्मिनल पर आप अपनी ट्रेन का इंतजार करते समय यहां टेनिस भी खेल सकते हैं। यहां चौथी मंजिल पर वेंडरबिल्ट टेनिस क्लब बना है। यहां टेनिस खेलने का एक घंटे का चार्ज करीब 8 हजार रु. है।

मंगोलिया का राष्ट्रीय साज मोरिन खुर

संगीत प्रेमी दुनिया के हर कोने में मिलेंगे और मंगोलिया का प्राचीन सहज मोरिन खुर इसकी मिसाल है। इस साज को अक्सर कई लोग घोड़े के सिर वाला वायलिन कहते हैं। खास बात यह है कि इस साज के ऊपरी हिस्से में घोड़े का सिर उकेरा गया है। यह मंगोल संस्कृति और घोड़ों के प्रति उनकी श्रद्धा का प्रतीक है, वहां घोड़ों को बड़ा महत्व दिया जाता है। मंगोलिया का यह राष्ट्रीय वाद्य है। यही वजह है कि वहां के लोग अपने घरों में इसे रखने को गौरव से जोड़ते हैं। मोरिन खुर को उत्सवों, अनुष्ठानों और नृत्य और गायन के साथ-साथ अन्य अवसरों पर बजाया जाता है। इसके निर्माण के पीछे वहां कथाएं भी प्रचलित हैं।

हैदराबाद का अनोखा म्यूजियम
यहां हैं बैट, गेंद, सैंडल के डिजाइन की कारें

हैदराबाद में एक अनोखा कार म्यूजियम स्थित है। इस म्यूजियम में आप जूते के शेप में बनी कार से लेकर क्रिकेट बैट व बॉल की तरह बनी कार में बैठने का आनंद ले सकते हैं। इस अनोखे म्यूजियम का नाम सुधा कार म्यूजियम है। यह म्यूजियम देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में मशहूर है। इस म्यूजियम को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने दुनिया का सबसे बड़ा अनोखी कारों का संग्रह घोषित किया है।

म्यूजियम की थीम विंटेज कारों और रचनात्मक वाहनों पर आधारित है। संग्रहालय के मालिक और कार डिजाइनर के. सुधाकर का कहना है कि सबसे अधिक संख्या में अनोखी कारें रखने का रिकॉर्ड हासिल करना एक उत्साहवर्धक और अत्यंत संतुष्टिदायक अनुभव है। के. सुधाकर को पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी ट्राइसाइकिल बनाने का गिनीज रिकॉर्ड भी मिल चुका है। के सुधाकर ने 41 फीट 7 इंच की ऊंची ट्राइसाइकिल बनाई थी।

म्यूजियम में 60 विचित्र कारें हैं

सुधा कार म्यूजियम में 1990 के दशक के पुराने कंप्यूटर से लेकर स्केटिंग जूते और टॉयलेट की डिजाइन की कारें भी देखने को मिलती हैं। सुधाकर का कहना है कि टॉयलेट शेप कार यहां आने वाले प्रशंसकों की सबसे पसंदीदा कारों में से एक है। वे

आगे बताते हैं कि इस तरह की विचित्र कारें बनाने का आइडिया उन्हें अमेरिका ट्रिप के दौरान आया था। वहां किसी प्रदर्शनी में उन्होंने पहली बार जूते के आकार वाली गाड़ी देखी थी, जिसमें उन्हें बहुत दिलचस्पी हुई थी। उन्होंने वापस भारत आकर जूते के आकार वाली गाड़ी बनाने के बारे में सोचा। म्यूजियम में सैंडल्स, बर्गर, बैग, कैमरा, फुटबॉल, क्रिकेट बैट और कई तरह की गेंदों की डिजाइन वाली करीब 60 से ज्यादा विचित्र कारें हैं।

हर दिन आते हैं 1500 से ज्यादा पर्यटक

सुधाकर ने म्यूजियम की शुरुआत 2000 में की थी। म्यूजियम सप्ताह के सातों दिन तक खुला रहता है। म्यूजियम में पर्यटकों के आने का समय 9.30 से 6.30 तक है। वयस्कों के लिए 100 रु. और बच्चों के लिए 80 रु. का टिकट है। इसके अलावा सुधा कार संग्रहालय हैदराबाद में वार्षिक रोड शो आयोजित करता है, जिसका मकसद लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए सुधाकर ने हेलमेट कार, पिंजरे वाली कार भी बनाई हैं।

सिपी फॉल: युगांडा में ज्वालामुखी से बना झरना है

सिपी फॉल युगांडा के तीन झरनों की श्रृंखला का एक अहम हिस्सा है। यह माउंट एल्गन नामक विलुप्त ज्वालामुखी के उत्तरी-पश्चिमी स्लोप पर पड़ोसी देश कीनिया की सरहद से महज 1.7 किमी की दूरी पर स्थित है। ज्वालामुखी से बने इस खूबसूरत झरने को देखने दुनियाभर से लोग आते हैं। यह झरना 312 फीट की ऊंचाई से गिरता है। सिपी नदी से बनने के कारण ही इसका नाम सिपी फॉल रखा गया है।

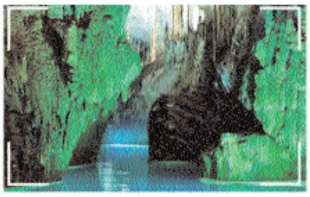

जेता ग्रोटो
लेबनान में 9 किमी तक फैली हैं चूना पत्थर की ये गुफाएं

जेता ग्रोटो, कार्स्टिक चूना पत्थर की गुफाएं किमी के लंबे क्षेत्र में फैली हुई हैं। ये गुफाएं लेबनान की राजधानी बेरूत से 18 कि.मी. उत्तर में जेता इलाके के भीतर नहर अल-कलब नदी घाटी में स्थित हैं। इसे केवल नाव से ही देखा जा सकता है। इसे 1836 में खोजा गया था। इसे भारी नुकसान भी हुआ था। 1995 में इसे फिर से खोला गया था।

दुनिया का सबसे बड़ा टूथब्रश 6 फीट से भी ज्यादा लंबा

आमतौर पर साधारण टूथब्रश का साइज 7-8 इंच के आसपास होता है। लेकिन ब्रिटेन के रूथ व शॉन ने दुनिया का सबसे बड़ा टूथब्रश बनाने का गिनीज रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ब्रिटेन के रूथ एमोस और शॉन ब्राउन ने 6 फीट 7 इंच का टूथब्रश बनाया है। यह टूथब्रश ऊंट से भी अधिक ऊंचा है। इस टूथब्रश को बनाने में 5 दिन का समय लगा है। रूथ और शॉन यूट्यूब चैनल चलाते हैं। यह अनोखा ब्रश आंगन को साफ करने, घास की कटाई-छटाई करने के काम में आएगा। ये टूथब्रश इलेक्ट्रिक है और इसे मजबूत धातु से तैयार किया गया है। इसे बनाने का आइडिया रूथ और शॉन को अपने यूट्यूब चैनल पर एक बच्चे ने सुझाया था।

सांपों का गांव! जहां साथ-साथ रहते हैं इंसान और कोबरा!

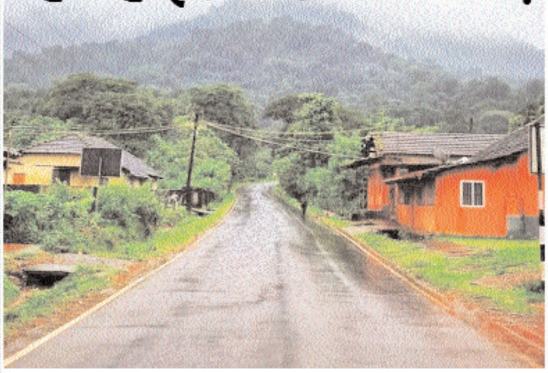

कर्नाटक के अगुम्बे गांव को भारत की कोबरा राजधानी कहा जाता है. यहां सांपों पर शोध होता है और सांप संस्कृति का हिस्सा है. प्रसिद्ध सरीसृप शोधकर्ता रोमुलस व्हिटेकर ने यहां ARRS की स्थापना की.

भारतीय परंपरा में सांपों की काफी अहमियत है. भले ही सांपों से लोग डरते हो, मगर उनकी पूजा भी करते हैं, उन्हें भगवान शिव के गले का हार मानते हैं और हमारे पुराणों और लोककथाओं में भी सांप का काफी महत्व है. लेकिन क्या आप जानते हैं, भारत में एक ऐसा गांव है जहां सांप केवल पुराणों के पात्र नहीं हैं- वे असलियत में राजा हैं? इस जगह पर सांपों को लेकर शोध किया जाता है, वो संस्कृति का हिस्सा हैं और इस गांव का नाम कोबरा से जुड़ा है. प्राचीन धर्मग्रंथों से लेकर आधुनिक रीति-रिवाजों तक- हर जगह यह विषैला सांप देवताओं का प्रतीक है. शिव के गले में लिपटा नाग, विष्णु का शयनकक्ष भी अनंतनाग पर बना है. हर साल नागपंचमी के त्योहार पर देशभर में नागदेवता की पूजा होती है. लेकिन सिर्फ पुराणों में ही नहीं, भारत के कुछ क्षेत्रों में असलियत में भी सांपों का दबदबा है. ऐसा ही एक स्थान है एक छोटा सा गांव. इस गांव को भारत की कोबरा राजधानी कहा जाता है! इस गांव में इतने सांप हैं कि शायद आम लोग यहां जाने से डरेंगे मगर ये सांप इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाते. यहां सांपों के ऊपर शोध भी होता है. इस वजह से यहां कई शोधकर्ता आते हैं.

एक हरा-भरा छोटा गांव, क्षेत्रफल में मात्र 3 वर्ग किलोमीटर, समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2700 फीट. इस गांव में केवल 600 लोग रहते हैं. चारों ओर घने जंगल, पहाड़, झरनों से घिरा यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव शोधकर्ताओं के लिए स्वर्ग है. इस वजह से यहां लोग जाना भी चाहते हैं. सिर्फ सांपों के लिए ही नहीं, यहां के घने जंगलों में कई दुर्लभ प्रजातियों के जीव और पौधे भी मिलते हैं. यहां कुछ दुर्लभ फफूंद प्रजातियों की खोज की गई है.

कहां है यह सांपों का गांव

भारत के पश्चिमी घाट पर्वतमाला में स्थित कर्नाटक का अगुम्बे. यहां इतनी बारिश होती है कि इसे दक्षिण का चेरापूंजी कहा जाता है. ये जगह इसी वजह से अपने में बेहद खास है. भारत की कोबरा राजधानी होने के बावजूद, अगुम्बे का सबसे प्रसिद्ध निवासी निस्संदेह राजा नाग या किंग कोबरा है. यहीं प्रसिद्ध सरीसृप शोधकर्ता पद्मश्री रोमुलस व्हिटेकर ने Agumbe Rainforest Research Station (ARRS) की स्थापना की- जो भारत का पहला राजा नाग रेडियो टेलीमेट्री प्रोजेक्ट चलाता है.

जो नहीं जानते, हरपेटोलॉजिस्ट वे वैज्ञानिक होते हैं जो सांप, मेंढक, छिपकली, कछुआ आदि रेप्टाइल और उभयचर जीवों पर शोध करते हैं. खेतों, जंगलों या प्रयोगशालाओं में ये वैज्ञानिक इन जीवों के व्यवहार, शारीरिक रचना, आदि किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा विषैला सांप है. लेकिन यह अन्य सांपों से अलग है, क्योंकि यह चूहे या मेंढक नहीं, बल्कि अन्य सांपों को खाता है. यहां तक कि विषैले सांप जैसे करैत को भी यह भोजन के रूप में चुनता है.

सांपों का सांप

जंगल की खाद्य श्रृंखला में सबसे ऊपर. यह अगुम्बे भारत का वह रहस्यमय प्राकृतिक खजाना है- जहां सांप सिर्फ डर नहीं, शोध, श्रद्धा और जैव विविधता की कुंजी हैं. देशभर में ऐसा दूसरा कोई गांव नहीं है जहां सांप इतने नजदीकी और महत्वपूर्ण पड़ोसी हों.

सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा 15 जून को

कोरबा अम्बिकावाणी - छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा १५ जून को संपन्न होगी। इसके लिये कोरबा जिले में ४३ परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षा केन्द्रों में कुल १३८७६ परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका कांटेक्ट नंबर ९८२७४८८९६४ एवं ९८२६३३१९४२ है।

न्यूज गैलरी

युक्तियुक्तकरण में अनियमितता बरते जाने पर बीईओ सस्पेंड

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन के निर्देशों के तहत शालाओं एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई आयुक्त सरगुजा द्वारा कलेक्टर मनेंद्रगढ़ के पत्र के आधार पर की गई है। जांच में पाया गया कि बीईओ जायसवाल ने माध्यमिक शाला लेदरी में वरिष्ठता क्रमांक 4393 वाली शिक्षिका गुंजन शर्मा को अतिशेष घोषित कर दिया, जबकि उनके बाद क्रमांक 4394 की शिक्षिका बेबी धृतलहरे को यथावत रखा गया। इसी प्रकार प्राथमिक शाला चिमटीमार में कार्यभार ग्रहण तिथि के अनुसार संध्या सिंह को यथावत रखना था, लेकिन उन्हें अतिशेष की सूची में रखा गया, जबकि बाद में नियुक्त अर्णिमा जायसवाल को यथोचित नहीं माना गया। इसके अलावा माध्यमिक शाला साल्ही में पदस्थ शिक्षक सूर्यकांत जोशी के विषय का विवरण गलत दशार्या गया तथा विषय चक्र का भी पालन नहीं किया गया। बीईओ द्वारा वरिष्ठ शिक्षक को कनिष्ठ दशार्ना कूटरचना की श्रेणी में आता है, जो उनके पद पर रहते हुए गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता को दशार्ता है, जिसे देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम के अंतर्गत बीईओ सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मनेंद्रगढ़ नियत किया गया है।

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी आरटीई नोडल प्राचार्यो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय मनेंद्रगढ़ के ऑडिटोरियम में पूर्वाह्न 11 से अपरान्ह 1 बजे तक आयोजित किया गया।

डीपीआई रायपुर से प्रशिक्षण प्राप्त विकासखंड के मास्टर प्रशिक्षक क्रमशः कलीराम श्रीवास, एमएच अंसारी एवं उमेश कुमार द्विवेदी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों द्वारा बिंदुवार मौखिक एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से आरटीई की तकनीकी कार्यवाही दिखाई गई। प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु जिसमें अशासकीय शालाओं से बसाहटों की मैपिंग, अशासकीय शालाओं की प्रोफाइल अपडेट, आरटीई सीटों का प्रकटीकरण, आरक्षित सीटों हेतु प्राप्त आवेदनों में संलग्न दस्तावेजों की जांच, लॉटरी पश्चात प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क प्रतिपूर्ति राशि का दावा एवं सत्यापन, अशासकीय शाला स्तर पर किये जाने वाले कार्य, नोडल प्राचार्य द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति दावा का सत्यापन, ड्राप आउट सर्वे, नियमित मॉनिटरिंग एवं नोडल के ऑनलाइन कार्यो के विषयों पर आरटीई अधिनियम अंतर्गत विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्तर पर नोडल प्राचार्यो के प्रशिक्षण उपरांत अशासकीय विद्यालयों के नियमित मॉनिटरिंग हेतु नियुक्त मेटरों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

नोडल प्राचार्यो के प्रशिक्षण उपरांत आगामी दिनों में नोडल प्राचार्यो द्वारा अपने विद्यालय अंतर्गत आने वाले अशासकीय विद्यालयों के संचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण को जिले में आरटीई के जिला सहायक नोडल अधिकारी टी. विजय गोपाल राव द्वारा भी संबोधित किया गया। प्राचार्य संजीव कुमार के संबोधन पश्चात प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण में नोडल प्राचार्य भरत जायसवाल, सत्येंद्र कुमार सिंह, सूर्यकांत सिंह, रामचंद्र नामदेव, मधुबाला कश्यप, रेखा पांडेय, मनीषा किंडो, अनिल कुमार तिवारी, प्रमोद कुमार पांडेय, श्यामलाल राजवाड़े, राजेश कुमार द्विवेदी, प्रभात रंजन विश्वास, सत्तर सिंह, जीएस पोर्ते, कौशिक भद्रा एवं कार्यालयीन शाखा प्रभारी शैलेश कुमार खाखा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 खरवत चौक पर अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर कोरिया जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर खरवत चौक के आसपास लंबे समय से चले आ रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक कार्रवाई की। यह अभियान जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के दिशा-निर्देशन में पुलिस प्रशासन, तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा संचालित किया गया।

प्रशासन को कई दिनों से स्थानीय नागरिकों, वाहन चालकों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से शिकायत मिल रही थी कि खरवत चौक क्षेत्र में दुकानदारों और कुछ स्थायी-स्थानीय निवासियों ने सड़क किनारे अवैध निर्माण कर रखे हैं, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है बल्कि आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही थीं। खासकर स्कूल और कॉलेज के समय पर ट्रैफिक जाम की समस्या आम हो गई थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने पहले चरण में क्षेत्र का निरीक्षण करवाया और अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से निर्माण हटाने का मौका दिया। तय समय सीमा के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तब प्रशासन ने ९ जून को सुबह से अभियान शुरू किया। इस कार्यवाही में लगभग २५ से अधिक अस्थायी व स्थायी अवैध निमार्णो को हटाया गया।

कार्यवाही के दौरान पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी मशीनों की मदद से दुकानों के छज्जे, ठेले, शेड और दीवारें तोड़ी गई। स्थानीय लोगों ने शुरूआत में हल्का विरोध भी किया, लेकिन अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई। नगर पालिका के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी के विरोध में नहीं, बल्कि आमजन की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, बैकुंठपुर एवं सोनहत ब्लॉक में दो अवैध क्लीनिक सील, एक पर कारण बताओ नोटिस जारी

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ राज्य नर्सिंग होम एक्ट २०१३ के तहत अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला (अंबिकापुर, सरगुजा) के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में ९ व १० जून २०२५ को की गई। आज बैकुंठपुर ब्लॉक के चरचा कॉलरी क्षेत्र में जिला स्तरीय जांच दल द्वारा दो क्लीनिकों की जांच की गई। उड़िया दफाई, राम मंदिर के पास सुधीर कुमार मिश्रा द्वारा संचालित क्लीनिक में बिना किसी वैध डिग्री के चिकित्सकीय गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं। मौके पर नीडल, दवाइयाँ और इंजेक्शन आदि सामग्री पाई गई, परंतु किसी भी तरह का वैध पंजीयन या डिग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। इस आधार पर श्री मिश्रा का क्लीनिक तत्काल सील कर दिया गया। इसी प्रकार टीना दफाई में "डॉ. आर. खान" के नाम से संचालित घरेलू क्लीनिक की भी जांच की गई। मौके पर आईवी स्टैंड, बेड और चिकित्सा उपकरण पाए गए, परन्तु कोई मान्य डिग्री प्रस्तुत नहीं की गई। नर्सिंग होम एक्ट २०१३ के प्रावधानों के तहत इस कक्ष को भी सील करने की कार्रवाई की गई। इससे पूर्व, ९ जून को सोनहत ब्लॉक के तेलीमुड़ा ग्राम में महेन्द्र पटेल नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से इलाज किए जाने की जानकारी पर जांच की गई थी। मौके पर चिकित्सकीय उपकरण मिलने के बावजूद कोई पंजीयन प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। फलस्वरूप उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत एवं योग्य चिकित्सकों से ही उपचार कराएं। किसी भी अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे व्यक्ति की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित स्वास्थ्य केंद्र या सीएमएचओ कार्यालय को सूचित करें। जांच दल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, औषधि निरीक्षक आलोक मिंज, प्रभारी डिप्टी एमआईईओ श्रीमती सरोजनी राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद बाल्मीकीय रामायण कथा का शुभारंभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मंगलवार की शाम से शहर के हृदय स्थल में स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण मनेंद्रगढ़ में 9 दिवसीय श्रीमद बाल्मीकीय रामायण कथा भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुई। कथा 18 जून तक चलेगी। कथा का समय सायं 4 से 7 बजे तक निर्धारित किया गया है। कलश यात्रा श्रीराम मंदिर से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल पहुंची। यात्रा में श्रीधाम वृंदावन से आए कथाव्यास गर्भदास महाराज, नपाध्यक्ष प्रतिभा यादव, श्री राम मंदिर समिति के सचिव रघुनाथ पोद्दार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नीरज अग्रवाल के अलावा मातृ शक्तियां और नागरिक शामिल हुए। प्रथम दिवस कथाव्यास श्री गर्भदास महाराज के द्वारा महात्म, मंगलाचरण एवं नाम महिमा का गुणगान किया गया। दूसरे दिन श्री राम जन्म जन्मोत्सव, तीसरे दिन बाल लीला, चैथे दिन अहिल्या उद्धार, जनकपुर दर्शन, पुष्प वाटिका प्रसंग, 5वें दिन धनुष भंग एवं श्री सीताराम विवाहोत्सव, 6वें दिन श्री राम वनगमन एवं केंवट प्रसंग, 7वें दिन भरत चरित्र, 8वें दिन शबरी गीध आदि भक्तों की कथाएं एवं हनुमत चरित्र तथा कथा के अंतिम दिन 18 जून को श्री हनुमान जी महाराज के द्वारा सीता मां की खोज, रावण वध, श्री राम राज्याभिषेक, चढ़ोत्री एवं फूलों की होली, पूणार्हुति, हवन एवं भंडारा प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन होगा। श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज एवं श्री राम सेवा समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित करने का अनुरोध किया है।

धरती आबा अभियान की तैयारियों में तेजी, किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

राशन भंडारण, स्कूलों की मरम्मत, जनदर्शन आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में आगामी १५ जून से आरंभ होने वाले 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि यह अभियान जनजातीय क्षेत्रों के लिए समर्पित एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत क्लस्टरवार शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि सभी विभाग इन शिविरों की तैयारी समय पर पूर्ण करें ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारी को सभी राशन दुकानों में चावल एवं अन्य खाद्य सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के दौरान सड़क खुदाई की मरम्मत जल्द से जल्द कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं, वहीं शिक्षा विभाग को स्कूल खुलने से पहले साफ-सफाई व मरम्मत कार्य पूरे करने को कहा गया ताकि विद्यार्थियों को असुविधा न हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि युक्तियुक्तकरण के तहत ९० प्रतिशत शिक्षकों ने अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर पदभार ग्रहण कर लिया है। कलेक्टर ने वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से इस वर्ष भी बड़े स्तर पर वृक्षारोपण करने की तैयारी शुरू करने को कहा। कलेक्टर ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि धान विक्रय के समय किसानों को किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य समस्या न उत्पन्न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को इसके लिए जागरूक भी किया जाए। जनदर्शन व अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए भी कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदक को समय पर समाधान मिलना चाहिए। सभी तहसीलदारों से कहा है कि बटांकन, सीमांकन व अन्य राजस्व सम्बन्धी प्रकरणो का निराकरण भी तेजी से करें। आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लगभग ५६ नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं, जिन्हें अपर कलेक्टर अरुण मरकाम ने गंभीरता से सुना और समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बैकुण्ठपुर एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम, सोनहत एसडीएम राकेश साहू सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

जंगल में अब पेड़ कहां है छाई रहती वीरानी, हवा नहीं है दूर-दूर तक सूखा नदियों का पानी

पर्यटन स्थलों पर पर्यावरण का महत्व विषय पर संगोष्ठी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। पृथ्वी के निमार्ता एवं नियंता ने पृथ्वी पर रहने वाले मानव सहित समस्त चराचर जीव-जंतुओं के जीवन की आवश्यकता के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए हैं। इसके बावजूद आवश्यकता से अधिक दोहन कर पर्यावरण बिगाड़ने और पृथ्वी को नष्ट करने के लिए हम स्वयं दोषी हैं। इसे संवारने के लिए हम सभी को आगे आना होगा अन्यथा पृथ्वी को नष्ट होने में समय नहीं लगेगा।

उक्ताशय के विचार विश्व पर्यावरण सप्ताह पर सुरभि पार्क में आयोजित संगोष्ठी में रिटायर्ड महाप्रबंधक रेलवे भानु प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। उन्होंने पर्यटन स्थलों पर बढ़ते प्रदूषण का उदाहरण देते हुए कहा कि एक दशक पहले तक आध्यात्मिक तीर्थ मानसरोवर यात्रा में कई स्थानों पर मानव मल के कारण रुमाल मुंह में बांधकर गुजरना पड़ता था। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है जो चिंतनीय पक्ष है। इन सब के निवारण तथा स्वच्छ पर्यटन के लिए हमें गंभीरता से चिंतन करना होगा। कार्यक्रम संचालक गौरव अग्रवाल ने आयोजन की पृष्ठभूमि रखते हुए पर्यटन स्थलों पर बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की और पर्यटन एवं पर्यावरण चिंतक बीरेंद्र श्रीवास्तव को अपना पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया। बीरेन्द्र श्रीवास्तव ने अपनी चिंता में कहा कि इस विशाल ब्रह्मांड में पृथ्वी की उपस्थिति एक रेत के कण से भी छोटी है। अब तक की जानकारी के अनुसार केवल पृथ्वी पर ही जीवन उपलब्ध है। इतना जानने के बावजूद भी आभासी विकास के दौड़ में हम अपनी ही पृथ्वी को नष्ट करने पर उतारू हैं। पर्यटन स्थलों पर बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण आज समय की जरूरत है। आध्यात्मिक चिंतन पक्ष पर उन्होंने कहा कि सतयुग, त्रेता और द्वापर के बाद कलयुग के इस चरण में क्या हम पृथ्वी को समाप्त करने में स्वयं को शामिल कर रहे हैं। यह बेहद चिंता का विषय है जिसके समाधान के लिए हमें एकत्रित होकर प्रयास करना होगा। लगभग 5 हजार किलोमीटर की अब तक साइकिल यात्रा कर चुके पर्यावरण सचेतक पर्यामित्र सतीश द्विवेदी ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर आपके द्वारा फेंके गए सिंगल उपयोग पन्नी एवं प्लास्टिक रेत में दबकर बहते पानी को भी प्रदूषित कर रहे हैं। अब तो पीने वाले पानी में भी प्लास्टिक के बारीक कण हमारे घरों तक आने लगे हैं। इसी तरह यहां वहां बिखरे प्लास्टिक गर्मी के दिनों में गर्म होकर दुनिया की सबसे जहरीली फास्फीन गैस बुलबुले के रूप में पैदा करती है, इसलिए जरूरी है कि हम पर्यटन स्थलों पर इसका उपयोग ना करें, यदि कही फैली पन्नी दिखाई दे, तब इसके निस्तारण हेतु सहयोग करें। हमारे इस प्रयास से पर्यटन स्थलों को साफ-सुथरा रखा जा सकेगा। अधिवक्ता कल्याण केसरी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारी धार्मिक आस्थाओं में पीपल, बरगद, नीम, जैसे पेड़ों की पूजा-पाठ का विधान हमारे ऋषि-मुनियों ने इसीलिए किया था कि पेड़ों को नष्ट होने से बचाया जा सके। हमें संकल्प लेना होगा कि अपने पर्यटन स्थलों का पर्यावरण हम नष्ट नहीं होने देंगे। साहित्यकार संतोष जैन एवं साहित्यकार विजय गुप्ता ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर बिखरने वाले प्लास्टिक पन्नी को निस्तारण स्थल तक पहुंचाना और उसे वहां फैलने से रोकने में मदद करने का संकल्प आज की आवश्यकता है। यदि हम ऐसा कर पाएंगे तभी पर्यटन स्थल स्वच्छ रहेंगे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पर्यावरण चिंतन पर श्रेष्ठ कविताओं की प्रस्तुति में साहित्यकार श्याम सुन्दर निगम ने कहा कि विकास की अंधी दौड़ में हम स्वयं के विनाश का ताना-बाना बुन रहे हैं। समय रहते सचेत होना आज की आवश्यकता है। अपनी कविता प्रस्तुति मे उन्होंने कहा- जंगल में अब पेड़ कहां है, छाई रहती वीरानी, हवा नहीं है दूर-दूर तक सूखा नदियों का पानी। साहित्यकार राजेश जैन, राजा बुंदेला ने अपने गीत पानी की प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं की जबरदस्त तालियां बटोरी - जिसे अब तक न समझ सके, वह कहानी हूं मैं, मुझे बर्बाद मत करो जीवन हूँ, तुम्हारा पानी हूँ मै। कार्यक्रम का समापन संबोधन संस्थान के उपाध्यक्ष हारून मेमन के अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन से हुआ।

न्यायालय नायब तहसीलदार, दरिमा, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.- /अ-21/2024-25
ग्राम दरिमा, तहसील उदयपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि, आवेदक केन्दल पिता ढ़ेढा, मुनेश्वरी पति सेदल, दोनों जाति मझवार निवासी ग्राम मोहनपुर तहसील दरिमा जिला सरगुजा द्वारा ग्राम मोहनपुर तहसील दरिमा स्थित भूमि ख०नं० 270/2 रकबा 0.250 हे० भूमि को अनावेदक जसमनिया बड़ा पति अरविन्द बड़ा पिता कमलसाय जाति उरॉव निवासी ग्राम तिहपटरा तहसील दरिमा जिला सरगुजा को अपने निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण रू० 4,00000/- (चार लाख रू०) में विक्रय किये जाने का सौदा किया जाकर भूमि विक्रय किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त है।

अतः उपरोक्त संबध मे जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम दिनांक 25/06/2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर इस पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

नायब तहसीलदार
दरिमा, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेश कुमार अग्रवाल आ० रामचंद्र अग्रवाल निवासी देवीगंज रोड सत्तीपारा वार्ड नंबर 26 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 151/158 रकबा 0.015 हे भूमि को अनावेदक सूचिंता तिवारी पति उदय शंकर तिवारी निवासी हनुमान चैंपियन चौक बारालोटा डाल्टेनगंज झारखण्ड के पास अंकन राशि रुपये 11,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 13.06.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक- 27/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

Public Notice

The general public is hereby informed that Smt. Rajkumari Agrawal w/o Roshanlal Agrawal R/o Jawahar Nagar Ambikapur has taken her retirement from the firm M/s Baba Durganath Construction Company Ambikapur w.e.f. 15.01.2025 by her own will and Smt. Garima Jain w/o Pawan Jain R/o Vaishali Nagar Bhilai has joined as a partner of the firmand all other partners have accepted this retirement and joining from the said date.

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 29/05/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम लिपिंगी तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश सिंह आ० स्व० चंदन सिंह निवासी ग्राम-लिपिंगी, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादा) स्व० बाल साय की मृत्यु दिनांक 24/12/2009 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 17/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 17/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

Sports Live

बैंक में इस सप्ताह तीन दिन नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली, 10 जून। जून 2025 का दूसरा सप्ताह शुरू हो चुका है और इस सप्ताह भी भारतीय रिजर्व बैंक के अवकाश कैलेंडर के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में 3 दिन बैंकों की छुट्टियां रहेंगी. संत गुरु कबीर जयंती के अवसर पर कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे. अगर आपको भी इस सप्ताह बैंक से जुड़ा कोई काम है तो इन कामों को समय रहते निपटा लें वरना आपको असुविधा का सामना करना पड़ सकता है. 11 जून 2025 (बुधवार)- संत गुरु कबीर जयंती/सागा दावा (इस दिन सिक्किम (गंगटोक) और हिमाचल प्रदेश (शिमला) में बैंक बंद रहेंगे. यह बैंकिंग अवकाश संत गुरु कबीर जयंती और सागा दावा के अवसर पर मनाया जाएगा) 14 जून 2025 (शनिवार), दूसरा शनिवार- आरबीआई के नियमों के अनुसार, देश भर के बैंक हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं.

जबलपुर की गलियों से एमपीएल के स्टेडियम तक, प्रथम और सफिन के संघर्ष की कहानी

मध्यप्रदेश के दिल जबलपुर, के विपरीत परिस्थितियों के दो युवाओं ने जुनून और मेहनत से अपनी तकदीर लिख दी है। सफिन अली और प्रथम उइके, दो जोशीले और तेज तर्रार गेंदबाज, जबलपुर रॉयल लायंस की टैलेंट हंट प्रतियोगिता में जीत हासिल कर टीम का हिस्सा बन गए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी मध्यप्रदेश लीग टी२० सिंधिया कप २०२५ में जलवा बिखेरेंगे, जिसकी शुरूआत १२ जून से हो रही है।

जबलपुर टीम १३ जून को अपना पहला मैच खेलेगी, और उसी के साथ ये दो युवा खिलाड़ी उन सैकड़ों अनदेखे और अनसुने सपनों की उम्मीदें लेकर मैदान में उतरेंगे, जिनका जज्बा भले ही कभी देखा न गया हो, पर वो कभी कमजोर नहीं था।

सराफा, अलीगंज की तंग गलियों से निकलकर २० वर्षीय सफिन अली ने सिर्फ बल्लेबाजों से नहीं, जिंदगी की हर मुश्किल से मुकाबला किया। छोटा सा गैराज चलाने वाले अश्फाक अली के बेटे सफिन का बचपन १२ लोगों के संयुक्त परिवार में बीता, जहाँ पैसों की तंगी थी लेकिन सपनों की कोई कमी नहीं थी। १२वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी, और क्रिकेट ही उनका एकमात्र सहारा बन गया।

ना सही जूते थे, ना कोई कोचिंग, फिर भी सफिन अली हर दिन ३ किलोमीटर साइकिल चलाकर मैदान पहुंचते, उधार की गेंदों और सिले हुए पुराने जूतों के साथ अभ्यास करते थे। सफिन कहते हैं, "इतनी मेहनत के बाद ये बहुत बड़ा पल है कि मैं जबलपुर टीम का हिस्सा बन रहा हूं।" मोहम्मद सिराज की जिद और विराट कोहली की आक्रामकता से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी रफ्तार को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। जब सफिन का नाम जबलपुर रॉयल लायंस की फाइनल टीम में आया, तो उसकी आंखें भर आईं। उसने धीरे से अपने पिता से कहा, "स्पाइक्स नहीं थे, लेकिन सपने थे। इस टीम ने मुझे खुद को साबित करने का मौका दिया।" ये सुनकर उसके पिता अश्फाक अली, जिनके हाथ उस समय ग्रीस से सने थे, बिना कुछ कहे बेटे को गले लगाकर फफक पड़े। गर्व के उस पल में शब्द भी थम गए। उनकी ही तरह, १९ वर्षीय प्रथम उइके के भीतर भी वही जुनून था। जबलपुर के बाहरी इलाके के एक छोटे से गांव शाहपुरा से आने वाले प्रथम के पिता रामगोपाल उइके एक ट्रैक्टर एजेंसी में काम करते हैं। प्रथम का क्रिकेट का सफर टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उनका हुनर जेपी एकेडमी, रानीताल के कोचों की नजर में आ गया, जो उनके गांव से लगभग ३० किलोमीटर दूर था। हर सुबह सूरज निकलने से पहले उठना, घंटों का सफर तय करना और फिर भी नेट्स में पूरी रफ्तार से गेंदबाजी करना उनकी दिनचर्या बन गई थी।

वे कहते हैं, "वापसी का सफर पैरों से ज्यादा दिल को दर्द देता था, क्योंकि पता नहीं था कि ये सब किसी मंजिल तक पहुंचेगा भी या नहीं।" प्रथम को डेल स्टेन के तूफानी अंदाज और विराट कोहली की भूख ने प्रेरित किया। टैलेंट हंट में जब उन्होंने रनअप लिया, तो जैसे पिच पर बिजली दौड़ गई, उनकी गेंद ऑफ स्टंप उड़कर सीधा चयनकर्ताओं के दिल में जा लगी। जब उनका नाम टीम में घोषित हुआ, तो वो पल उनके पूरे परिवार के लिए सपनों के सच होने जैसा था। जबलपुर रॉयल लायंस के प्रतिनिधि लव मलिक ने टैलेंट हंट और जमीनी स्तर के इन खिलाड़ियों के चयन पर कहा, "हमारा टैलेंट हंट सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उन युवाओं को उम्मीद, पहचान और मंच देने की पहल थी, जिनके अंदर आग तो थी, लेकिन रोशनी नहीं थी।

ये लड़के न किसी बड़ी एकेडमी से आए, न इनके पास कोई टर्फ विकेट्स या ब्रांडेड गियर थे। ये ऐसे घरों से आए हैं, जहाँ हर रुपया तौलकर खर्च होता है और हर शाम अनिश्चित होती है। फिर भी, इनके पास सिर्फ एक चीज थी - विश्वास। और उसी विश्वास के सहारे इन्होंने दिल से गेंदबाजी की। आज ये लायंस की जर्सी पहनकर हमारे लिए गर्व का कारण बने हैं।"

छोटी खबरें

निकोलस पूरन ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली,10 जून । आधुनिक युग के वेस्टइंडीज के विस्फोटक और भरोसेमंद सफेद गेंद वाले क्रिकेटरों में से एक, निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की. उन्होंने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टी20 रन और मैच खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने फैसले का खुलासा किया. उन्होंने पोस्ट में उल्लेख किया कि यह उनके लिए मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इस फैसले पर पहुंचने से पहले काफी सोचा था. पूरन ने लिखा, मैरून रंग की शर्ट पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना... यह शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि यह मेरे लिए वास्तव में क्या मायने रखता है. कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा. पूरन ने खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में अपनी बल्लेबाजी का हुनर दिखाया और टी20ङ्ख में राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर उभरे. हालांकि, उनके करियर में कुछ उतार-चढ़ाव भी आए जैसे 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ बॉल टैंपरिंग के लिए कुछ समय के लिए निलंबन. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दौरान पोलार्ड की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी भी की और टीम को 4-1 से जीत दिलाई. पूरन ने 106 टी20ङ्ख में 136.39 के स्ट्राइक रेट से 2275 रन बनाए हैं. उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 61 वनडे मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 शतक बनाए हैं और 2019 विश्व कप में भी टीम का हिस्सा थे. उल्लेखनीय है कि पिछले दो महीनों में रिटायरमेंट लेने वाले पूरन 5वें बल्लेबाज हैं.

पूरन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अहम भूमिका निभाई और 14 मैचों में 196.25 की शानदार स्ट्राइक रेट से 524 रन बनाए. क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके योगदान के लिए उनकी तारीफ की और स्टार कैरेबियाई बल्लेबाज को धन्यवाद भी दिया.

क्रेड ने 620 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई, वैल्यूएशन 45 प्रतिशत घटा

नईदिल्ली, 10 जून। फिनटेक कंपनी क्रेड ने 3.5 अरब डॉलर के घटे हुए वैल्यूएशन पर 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 620 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। कुणाल शाह की कंपनी ने यह निवेश सिंगापुर के वेल्थ फंड जीआईसी की अगुवाई में हासिल की है। पिछली बार 2022 में इसका वैल्यूएशन 6.4 अरब डॉलर था, जो अब 45 प्रतिशत कम हो गया है। सीरीज- जी फंडिंग राउंड में आरटीपी कैपिटल, सोफिना और खुद शाह की कंपनी क्यूईडी इनोवेशन लैब्स ने भी पैसा लगाया है।

क्रेड का राजस्व 71 प्रतिशत बढ़कर 2,397 करोड़ रुपये हो गया, लेकिन घाटा भी 22 प्रतिशत बढ़कर 1,644 करोड़ पहुंच गया।

कंपनी ने इस नुकसान के बावजूद अपने प्रोडक्ट्स और सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम किया है। फंडिंग का उपयोग नई पेशकश, तकनीकी निवेश और सुपर ऐप बनने की दिशा में किया जाएगा।

कंपनी आने वाले समय में आईपीओ की योजना भी बना रही है, इसलिए यह निवेश अहम माना जा रहा है।

क्रेड ने जनवरी, 2025 में भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर देश का पहला सीबीडीसी आधारित डिजिटल वॉलेट लॉन्च किया।

नवंबर, 2024 में क्रेड गेराज के जरिए बीमा क्षेत्र में भी कदम रखा। मई, 2025 में कंपनी ने पुरानी कार बेचने के लिए कार्स24 और स्पिनि के साथ साझेदारी की।

भारतीय टीम से एक और स्टार खिलाड़ी का कटेगा पत्ता? कोच गंभीर के सामने कठिन फैसला

नई दिल्ली,10 जून । भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा. टीम इंडिया के खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड के लिए रवाना हो चुके हैं और अभ्यास मैच में भाग ले रहे हैं. टीम इंडिया नए कप्तान के साथ टेस्ट सीरीज खेल रही है. युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. ऋषभ पंत ने उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली है.

इस बार भारत किसी भी कीमत पर इंग्लैंड की धरती पर जीत हासिल करने के लिए तैयार है. इससे पहले उन्होंने 2007-2008 में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी. उसके बाद से भारत पिछले 17 मैचों में कोई सीरीज नहीं जीत सका है. अगर भारत इस बार सीरीज जीतता है तो यह एक रिकॉर्ड होगा. इसके अलावा शुभमन गिल इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने वाले चौथे कप्तान बन जाएंगे. इस बीच कोच गंभीर अंग्रेजों को हराने के लिए एक मजबूत भारतीय टीम उतारने की तैयारी कर रहे हैं. इस बात पर चर्चा हो रही है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह कौन लेगा. इस बीच कोच गंभीर एक और वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी को झटका देने की तैयारी में हैं. इस बार कोच गंभीर अंग्रेजों को उनकी ही धरती पर हराने की तैयारी में हैं. वो इसके लिए एक अच्छी और मजबूत टीम तैयार करने की योजना बना रहे हैं. कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो इस बात की संभावना है कि सीनियर और अनुभवी ऑलराउंडर को इसके लिए अंतिम टीम से बाहर कर दिया जाएगा. ऐसा कहा जा रहा है कि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को इस सीरीज से बाहर रखा जा सकता है. रवींद्र जडेजा कई वर्षों से भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं. विशेषकर भारतीय उपमहाद्वीप में वह अपनी स्पिन गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. हालांकि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी विदेशी धरती पर गेंदबाज के तौर पर जडेजा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है. जडेजा ने पिछले पांच वर्षों में विदेश में खेले गए 13 टेस्ट मैचों में उन्होंने 37.22 की औसत से गेंदबाजी की है. यह उनके पूरी गेंदबाजी औसत (24.14) से अधिक है. उनकी बल्लेबाजी में सुधार हुआ है लेकिन स्पिनर के रूप में वह टीम को आवश्यक विकेट दिलाने में संघर्ष कर रहे हैं. इस पृष्ठभूमि में उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को चुने जाने की संभावना है. वाशिंगटन सुंदर का विदेश में अच्छा रिकॉर्ड है. बॉर्डर गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से चमक बिखेरी. वो अच्छे फॉर्म में हैं और उनसे इंग्लैंड में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

लग गई मुहर, विराट कोहली की जगह नंबर 4 पर खेलेगा ये युवा बल्लेबाज

नई दिल्ली,10 जून । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. इसके बाद से भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में नंबर 4 का स्थान खाली हो गया है. अब टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वाली है. ऐसे में विराट कोहली की जगह पर नंबर 4 पर बल्लेबाजी कौन करेगा इसको लेकर सवाल जस का तस बना हुआ है. भारत के लिए इंग्लैंड में नंबर 4 पर खेलने के लिए कई दावेदार मौजूद हैं. इन विकल्पों में खुद कप्तान शुभमन गिल का नाम भी शामिल है. वो इससे पहले भारत के लिए नंबर 4 पर बल्लेबाजी कर चुके हैं. इसके साथ ही करुण नायर का नाम भी नंबर 4 के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जो भारतीय क्रिकेट टीम में बतौर ओपनर शामिल हुए हैं. उनके नाम पर भी कोहली की जगह नंबर 4 पर खेलने के लिए चर्चाएं हो रही हैं. इस सब के बीच इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि विराट कोहली की जगह पर नंबर 4 पर साई सुदर्शन खेल सकते हैं. उन्होंने कहा, भारत की टीम में कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी हैं. एक खास बल्लेबाज सरे का खिलाड़ी साई सुदर्शन भी है. वह बहुत आक्रामक और निडर दिखता है. वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने इंग्लिश परिस्थितियों में और सरे के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है. मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार हो सकता है और नंबर चार पर विराट कोहली की भूमिका निभा सकता है.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 3: पहले वीकेंड 100 करोड़ से चूकी फिल्म, 91.83 हुआ टोटल कलेक्शन

अक्षय कुमार और रितेश देशमुख की स्लैपस्टिक कॉमेडी हाउसफुल 5 ने अब तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. फिल्म ने अपने पहले शुक्रवार को ?24 करोड़ की शानदार ओपनिंग की. जिसके बाद दो दिनों में 50 करोड़ का बिजनेस किया. अब तीसरे दिन के कलेक्शन के साथ फिल्म 100 करोड़ के बेहद करीब पहुंच गई है. तो जानें फिल्म का तीन दिनों का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन.

हाउसफुल 5 ने अपने पहले शनिवार को 31 करोड़ और पहले रविवार को लगभग 32 करोड़ की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन तीसरे दिन 87 करोड़ तक पहुंच गया है. फिल्म ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क के अनुसार, भारत में हाउसफुल 5 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब जल्द ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा. वहीं मेकर्स ने हाल ही में ऑफिशियल कलेक्शन शेयर किया है जिसके मुताबिक फिल्म ने 91.83 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. उनके ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने पहले दिन 24.35 करोड़, दूसरे दिन 32.38 करोड़ और तीसरे दिन 35.10 करोड़ का कलेक्शन किया है. अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म 2025 में छावा (31 करोड़) और सिकंदर (26 करोड़) के बाद तीसरी सबसे बड़ी बॉलीवुड ओपनर है. 2025 की अब तक की अन्य टॉप बॉलीवुड फिल्मों में रेड 2 (19.25 करोड़) और स्काई फोर्स (12.25 करोड़) शामिल हैं.

फिल्म के भारत भर में शो ने अपने पहले रविवार को अच्छी खासी ऑक्यूपेंसी दर्ज की. रविवार को पूरे भारत में हाउसफुल 5ए के हिंदी शो में कुल 39.52त्न ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई, जबकि शाम के शो में सबसे ज्यादा 54.77त्न ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई. पूरे भारत में हाउसफुल 5बी के हिंदी शो की कुल ऑक्यूपेंसी 24.49त्न रही, जबकि शाम के शो की ऑक्यूपेंसी सबसे अधिक 36.40त्न रही.

तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5, हाउसफुल फ्रैंचाइज की पांचवीं फिल्म है. जो एक लग्जरी क्रूज शिप पर सेट है, जहां एक अरबपति को रहस्यमय तरीके से मार दिया जाता है. इसके बाद हत्या करने वाले आरोपी को ढूंढने की प्रोसेस के बीच भरपूर कॉमेडी और ड्रामा होता है. दिलचस्प बात ये है कि फिल्म के दो अलग-अलग प्रिंट, हाउसफुल 5ए और हाउसफुल 5बी रिलीज किए गए, दोनों में अलग-अलग क्लाईमैक्स दिखाए गए हैं. फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और नाना पाटेकर खास रोल में हैं. यह फिल्म 6 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस को मिला बड़ा तोहफा, अखंड 2 का धमाकेदार टीजर रिलीज

नंदमुरी बालकृष्ण की आगामी फिल्म अखंड 2 का टीजर रिलीज हो गया है। यह फिल्म उनकी साल 2021 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म अखंड का ही सीक्वल है। आज 10 जून को नंदमुरी का जन्मदिन है। उससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी किया है। इसका निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। फिल्म अखंड 2 की शूटिंग इस साल की शुरूआत में प्रयागराज में आयोजित पवित्र महाकुंभ मेले में शुरू हुई थी। बालकृष्ण के जन्मदिन से पहले मेकर्स ने फिल्म का पावर पैक्ड टीजर जारी किया है। इसमें बालकृष्ण सिग्नेचर अवतार में नजर आ रहे हैं। उनका रुआब देखने लायक है। फिल्म का टीजर काफी रोमांचक है और दर्शकों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। भगवान शिव के भक्तों को यह फिल्म विशेषरूप से पसंद आएगी। नंदमुरि इसमें एक्शन करते नजर आए हैं। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें खलनायक के रूप में आदि पिनिसेट्टी नजर आएंगे, जो इससे पहले यह सराईनोडु फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ चुके हैं। वहीं इस फिल्म में अभिनेत्री के रूप में संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

अखंड 2 का निर्माण 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा फिल्म में संगीत की बात करें तो इस थमन ने दिया है। नंदमुरी बालकृष्ण अभिनीत फिल्म अखंड 2 सिनेमाघरों में 25 सितंबर को रिलीज की जाएगी। बात करें फिल्म अखंड की तो यह ब्लॉकबस्टर रही थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 132 अंक उछला, निफ्टी 25,196 पर

मुंबई, 10 जून। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 132 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,577.39 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.37 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,196.05 पर खुला. सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच, 10 जून को भारतीय सूचकांक निफ्टी 25150 के आसपास मजबूती के साथ कारोबार कर रहा.

आज के कारोबार के दौरान वीडोल कॉर्पोरेशन, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया, फोर्स मोटर्स, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, टेक महिंद्रा, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज, निबे, आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, कैप्री ग्लोबल कैपिटल और प्रीमियर एनर्जीज के शेयर फोकस में रहेंगे.

कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 256 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,445.21 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,103.20 पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल, इटरनल के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार किए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की तेजी आई.

राज्यपाल डेका ने सक्ति जिले के टी.बी. मरीजों को दी 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सक्ति जिले के 10 टीबी मरीजों के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता राशि उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से दी है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मरीज को प्रति माह 500 रुपए के मान से एक वर्ष तक सहायता दी जाएगी। भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को टीबी मुक्त बनाने के लिए राज्यपाल श्री डेका ने इस अभियान में समुदाय की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और जन सहयोग की महत्ता पर बल दिया है। वे जिलों के भ्रमण के दौरान मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते हैं और उनकी हरसंभव सहायता व मदद सुनिश्चित कराते हैं।

जनजातीय समाज के विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता - मुख्यमंत्री

00 मंत्रालय में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा, 00 छात्रावासों में सुविधाओं की एकरूपता और गुणवत्ता पर जोर, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

00 नई छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ, आश्रम छात्रावासों के संचालन के लिए 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास-आश्रम प्रबंधन के लिए नवीन पोर्टल का शुभारंभ किया। साथ ही, आगामी शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रदेश के आश्रम छात्रावासों के संचालन हेतु नई व्यवस्था के अंतर्गत शिष्यवृत्ति एवं भोजन सहायता की पहली किश्त (जुलाई से सितंबर) के रूप में 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों और आदिवासी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि इन वर्गों का जीवन स्तर बेहतर हो, वे आत्मनिर्भर बनें और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनजातीय समुदाय की सदैव चिंता करते हैं और उनके विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। केंद्र सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पीएम जनमन एवं धरती आबा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास और सड़क निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जैसे मूलभूत दस्तावेजों को तैयार करने का कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने आश्रम-छात्रावासों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ सर्वसुविधायुक्त छात्रावास बनाए जाएं। शौचालय, बेड, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं में एकरूपता रहे तथा छात्रावासों की निगरानी के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाया जाए। मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा संचालित क्रीड़ा परिसरों की भी जानकारी ली और बच्चों द्वारा विभिन्न खेलों में अर्जित सफलताओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 20 क्रीड़ा परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि खेल प्रतिभाएं और निखरें और खिलाड़ी खेलो इंडिया सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।प्रयास विद्यालयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें उच्च शिक्षित प्रशिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। साथ ही, इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट, सीयूईटी सहित अन्य कैरियर विकल्पों के लिए भी बच्चों को तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिम जाति विभाग के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत भवनों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा भवनविहीन संस्थानों के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक भी शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी संस्कृति संरक्षण एवं विकास के अंतर्गत देवगुड़ी निर्माण और अखरा विकास के कार्यों की भी समीक्षा की। साय ने अखरा विकास के तहत आस्था स्थलों पर उपयुक्त प्रकाश, बैठक व्यवस्था, शेड और पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के मार्गदर्शन के लिए हाल ही में चयनित अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों से चर्चा कर सुझाव लिए जाएं ताकि वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप युवाओं को रणनीति बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे प्रदेश के अधिकाधिक युवा उच्च पदों पर पहुँचकर राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में एकलव्य आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना, जनजातीय बहुउद्देश्यीय विपणन केंद्र, वन अधिकार पत्र सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

न्यूज गैलरी

2 मजदूरों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, दो घायल

दल्ली राजहरा। झारखंड से दल्लीराजहरा आए चार मजदूर अत्यधिक थके होने के कारण दो मजदूर पटरी पर ही सो गए, वहीं दो मजदूर आसपास बैठे थे। इसी दौरान मरोदा से दल्ली राजहरा की ओर आने वाली मालगाड़ी ने सभी चारों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। दल्ली राजहरा से मजदूरी करने के बाद सोमवार की देर रात को पैदल कुसुमकसा की ओर जा रहे चार मजदूर पटरी पर अपनी थकान मिटाने बैठ गए।

अत्यधिक थके होने के कारण दो मजदूर पटरी पर ही सो गए, वहीं दो मजदूर आसपास बैठे रहे। 9 जून को देर रात्रि के बाद निकले इन चारों मजदूरों को कुसुमकसा पहुंचते 10 जून की सुबह 4 बज गया। इधर मरोदा से दल्ली राजहरा की ओर आने वाली मालगाड़ी ने सभी चारों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इस दुर्घटना में मृत मजदूरों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन को उचित कदम उठाने चाहिए।

कोरबा में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर बीएमएस का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी -औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण और जनस्वास्थ्य पर पड़ते दुष्प्रभाव को लेकर मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) जिला कोरबा द्वारा आईटीआई चौक में आमसभा का आयोजन कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। सभा के उपरांत रैली निकालते हुए प्रदर्शनकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएमएस जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मण चंद्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पूर्णिमा साहू, विभाग प्रमुख डी. वेंकट राव सहित अन्य वक्ताओं ने पर्यावरणीय संकट को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में संचालित भारी उद्योगों से हो रहे वायु एवं जल प्रदूषण का सीधा असर आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। बीएमएस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जिला प्रशासन से मांग की गई कि— पर्यावरण प्रदूषण पर तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाए। प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी एवं ठोस सुधारात्मक उपाय किए जाएं। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर जुमार्ना सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी - इस प्रदर्शन में कोरबा जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों और मजदूर संगठनों की भी सक्रिय भागीदारी रही। एसईसीएल (गेवरा, दीपका, कुसमुंडा), एनटीपीसी, बालको, कोरबा थर्मल (पूर्व/पश्चिम), लैंको (अडाणी पावर), ठेका मजदूर संघ, बिजली वितरण विभाग समेत अन्य विभागों के सैकड़ों कर्मचारी और पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नवरतन बरेठ ने किया। यह आंदोलन अखिल भारतीय मजदूर संघ के निर्देश एवं बीएमएस छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के आह्वान पर आयोजित किया गया था।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल एमसीएच अलबेलापारा व शासकीय कोमलदेव अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

00 मरीजों से बातचीत कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कांकेर प्रवास के दौरान एमसीएच अस्पताल अलबेलापारा एवं शासकीय कोमलदेव अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संचालकों व स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एमसीएच अस्पताल, अलबेलापारा फामेर्सी में दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की और जेनेरिक दवाइयों के उपयोग एवं वितरण के निर्देश दिए। इसके पश्चात नेक्स्ट जेन सॉफ्टवेयर के माध्यम से रोगियों का पंजीकरण व मेडिकल रिकॉर्ड देखने का वर्कफ्लो परीक्षण किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों (पहला बैच, कांकेर) से संवाद कर उनसे स्नातक उपरांत ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में सेवाएँ देने का आग्रह किया। फाइनल ईयर छात्र राहुल शर्मा ने गर्ल्स व बॉयज हॉस्टल में अलग-अलग पानी के बोर की मांग की, जिस पर मंत्री ने तत्काल नलकूप खनन के निर्देश कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर को दिए। नवजात शिशु कक्ष का निरीक्षण कर उसे और सुसज्जित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बाल चिकित्सा कक्ष में ईश्वर लाल मरकाम (13 वर्ष, विश्रामपुरी; मधुमेह से ग्रस्त) का स्वास्थ्य-इतिहास रेखांकित कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बेहतर उपचार के लिए प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही थैलेसीमिया पीड़ित हिमांशु मरकाम (घोटवाही) के लिए नियमित रक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश प्रबंधन को दिए। राज्जो बाई कवाची (चिचकी, बडगांव) से मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

शासकीय कोमलदेव अस्पताल का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एमआरआई कक्ष, कंसोल रूम व डायलिसिस रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने डायलिसिस कक्ष को आवश्यक उपकरण जैसे एयर कंडीशनर लगाने तथा विस्तार करने के आदेश दिए। अस्पताल परिसर में जहां पंखों की कमी थी, एक सप्ताह के भीतर स्थापित करने के निर्देश जारी किए। पुरूष वार्ड में श्री करूराम से मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। जनरल वार्ड में 86 वर्षीय श्री बृजलाल साहू बागोडार जिसके पैरों में सूजन थी, उनसे बातचीत की। इस पर बृजलाल ने कहा की उनका आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मुफ्त उपचार हो रहा है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये विष्णु का सुशासन है यहां अच्छे से इलाज होता है। इस दौरान श्रीमती रामबती निषाद (दुधावा) से आशीर्वाद लेते हुए उन्हें "ठीक हो जाबे, दाई, तय चिंता झन कर" कहकर उनका उत्साहवर्धन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने दोनों अस्पतालों में रोगियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने एवं समयबद्ध रूप से आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण करने का पुनः आश्वासन दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव श्री अमित कुमार कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, सांसद श्री भोजराज नाग, कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, मछुआ कल्याण बोर्ड अध्यक्ष श्री भरत मटियारा, हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत एवं अधिष्ठाता डॉ. खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अस्पताल के स्टॉफ उपस्थित रहे।

कोरबा नगर निगम पर फूटा जनप्रतिनिधि का गुस्सा: अंधेरे में बस्तियां, जलती लाइटों को बदला जा रहा

कोरबा अम्बिकावाणी- नगर निगम कोरबा की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने निगम प्रशासन पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने इसे "अंधेर नगरी, चौपट राजा" की संज्ञा देते हुए कहा कि जब से नगर निगम में भाजपा का शासन आया है, तब से भ्रष्टाचार और अव्यवस्था चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की प्रमुख सड़कों पर पहले से जल रही स्ट्रीट लाइटों को निगम अपने संसाधनों से बदल रहा है, जबकि अधिकांश बस्तियों में लाइटें सालों से खराब पड़ी हैं और लोग अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं। बरसात का मौसम नजदीक है, ऐसे में यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती है।

वारंटी में ही बदली जा रही लाइटें, ठेका कंपनी बच रही जिम्मेदारी से - श्री साहू ने बताया कि मुख्य मार्गों की जो स्ट्रीट लाइटें बदली जा रही हैं, वे अब भी गारंटी अवधि में हैं और उनका रखरखाव संबंधित ठेका कंपनी की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद निगम द्वारा छुट्टी के दिनों में अपने संसाधनों से लाइट बदलवाना पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

बजट में वादे, जमीन पर सन्नाटा - नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम के २०२५-२६ के प्रथम बजट सत्र में महापौर संजू देवी राजपूत द्वारा किए गए वादों को भी खोखला बताया। उन्होंने कहा कि बजट पत्र (पृष्ठ १०-११) में स्पष्ट उल्लेख था कि छट्ठी, विवाह एवं दशगात्र कार्यक्रमों में निःशुल्क पानी टैंकर उपलब्ध कराया जाएगा। मृत्यु पर अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। लेकिन आज तक न तो किसी मुक्तिधाम में लकड़ी की व्यवस्था हुई है और न ही कोई कर्मचारी इस कार्य के लिए नियुक्त हुआ है। इसी तरह पानी टैंकर के लिए न वाहन खरीदे गए और न चालक नियुक्त किए गए।

कृपाराम साहू ने जनहित में निम्न मांगें रखीं : प्रत्येक मुक्तिधाम में ५० क्विंटल लकड़ी की तत्काल व्यवस्था की जाए। नगर निगम के प्रत्येक जोन में कम से कम ६ पानी टैंकर उपलब्ध कराए जाएं। टैंकर संचालन के लिए वाहन चालकों की नियुक्ति की जाए। नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की गई, तो विपक्ष सड़क से लेकर सदन तक जनआंदोलन करेगा और इसकी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी।

गुप्ता आज सम्हालेंगे अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी का पद

00 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत राज्यस्तरीय सम्मेलन और फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता कल 11 जून को जून को पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री गुप्ता के पदभार ग्रहण के सुबह 11.30 बजे बलबीरसिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम (बुढ़ापारा) में होने वाले 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत होने वाले राज्यस्तरीय सम्मेलन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के कैबिनेट मंत्रीगण केदार कश्यप, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लखनलाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े व टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब व इन्द्रकुमार साहू, महापौर मीनल चौबे और रायपुर जिला (शहर) अध्यक्ष रमेश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक हुई आयोजित

सीईओ ने विभागवार कार्यों की समीक्षा कर निराकरण हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी- कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागवार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं आमजनों को प्राथमिकता से लाभांवित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ श्री नाग ने शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यो की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शासन की योजनाओं का आमजनों को प्राथमिकता से लाभ पहुँचाने हेतु निर्देशित किया। इस हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर गम्भीरता से ध्यान देने की बात कही। श्री नाग ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियो को निर्देश दिए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत मिले आवेदनों के निराकरण स्थिति की भी समीक्षा की। सीईओ श्री नाग ने निराकरण हेतु लंबित आवेदनों को शीघ्रता से परीक्षण कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, एडीएम मनोज बंजारे सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ की टीम ने विद्युतकर्मियों को सिखाया आपदा में बचाव कैसे करें

एचटीपीएस में आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

कोरबा अम्बिकावाणी- हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के संयंत्र परिसर में मंगलवार को प्राकृतिक आपदा एवं मानव जनित आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण एवं साइट डेमो का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय आपदा एवं बचाव दल (०३ बटालियन-एनडीआरएफ) मुंडली, कटक के उपनिरीक्षक हेमराज पांडेय एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। एनडीआरएफ की टीम द्वारा विद्युत संयंत्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिकों को आपदा के समय बचाव के तरीकों को सिखाया गया। इनमें प्रमुख रूप से सीपीआर, आपदा के समय घायल व्यक्तियों को सुरक्षित ढंग से उठाना एवं स्थानांतरित करना, रक्तस्राव रोकना, आपदा जैसे- सर्पदंश, बाढ़, चक्रवात एवं भूकंप के समय बरते जानी वाली सावधानियां एवं कार्य के बारे में विस्तार से बताया गया। एनडीआरएफ टीम ने बच्चों के मामले में बाह्य वस्तु द्वारा सांस नली में रूकावट को दूर करने के उपाय को लाइव डेमो देकर बताया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य अभियंता पीके श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में टरबाइन मेंटेनेंस डिवीजन-३ के अधीक्षण अभियंता नरेंद्र उइके एवं अग्निशमन अधिकारी जीपी पनरिया एवं उनकी टीम के संयोजन से आयोजित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके. गुप्ता, पीके. स्वैन, केएनबी. राव और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके कुरनाल उपस्थित रहे।

श्वेता हॉस्पिटल लापरवाही मामला गरमाया: महिला की मौत के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतरे, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

10 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन

कोरबा अम्बिकावाणी - रिस्दी स्थित श्वेता हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान हुई लापरवाही से महिला की मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। मृतका अंजली सिंह को न्याय दिलाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार १० जून को हजारों की संख्या में लोग कोसाबाड़ी चौक स्थित हनुमान मंदिर के पास इकट्ठा हुए और सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक संगठन, नागरिक, और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने पदयात्रा करते हुए कलेक्टर कार्यालय तक पहुँचकर जिला प्रशासन को ६ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मौके पर पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन जनाक्रोश स्पष्ट रूप से झलकता रहा।

पति ने लगाए गंभीर आरोप

पीड़ित पति रणजीत सिंह का आरोप है कि १ जून को उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी अंजली सिंह को श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। ऑपरेशन डॉक्टर मनीआरो कुजुर की देखरेख में हुआ, लेकिन ऑपरेशन के बाद अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया। उस रात अस्पताल में न तो कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही अनुभवी नर्सिंग स्टाफ। इलाज में देरी से महिला की हालत बिगड़ती गई और गंभीर स्थिति में उसे न्यू कोरबा हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहाँ इलाज के कुछ घंटों बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि न्यू कोरबा हॉस्पिटल ने कुछ ही घंटों के इलाज के एवज में १ लाख रुपये वसूल लिए, जबकि महिला की हालत पहले से ही नाजुक थी और डॉक्टरों ने वास्तविक स्थिति छिपाई।

प्रमुख मांगें और चेतावनी

डॉक्टर मनीआरो कुजुर को तत्काल निलंबित किया जाए। उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज हो। श्वेता हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर उसे बंद किया जाए। जांच कोरबा से बाहर की निष्पक्ष टीम से कराई जाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट स्वतंत्र और पारदर्शी हो। न्यू कोरबा हॉस्पिटल पर आर्थिक शोषण और लापरवाही के लिए कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि १० दिनों के भीतर कोई ठोस प्रशासनिक कदम नहीं उठाया गया, तो जिलेभर में व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

व्यवस्था पर सवाल, जवाबदेही तय करना जरूरी - यह मामला न केवल निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में जवाबदेही की कमी को भी उजागर करता है। अब सबकी निगाहें प्रशासन की ओर हैं—देखना होगा कि मृतका के परिजनों को न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com